सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
ईमानदारी से काम करने वालों के शौक भले ही पूरे ना हों लेकिन, नींद जरुर पूरी होती है
....अज्ञात

वर्ष–01 अंक–09 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 27 जनवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

'बीरा जी के अंगना' का गरिमापूर्ण लोकार्पण, 110 फीट ऊंचे तिरंगे का ध्वजारोहण देखने उमड़ा जनसैलाब

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सर्व समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह द्वारा आर्य नगर, कोहका, भिलाई में निर्मित ह्बीरा जी के अंगनाह के लोकार्पण समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर डोम शेड का फीता काटकर श्रीमती कुलवंत कौर और इंद्रजीत सिंह ने इसे सर्व समाज को समर्पित किया, साथ ही सभी समाजों के प्रमुख प्रतिनिधियों को प्रतीकात्मक रूप से इसकी चाबी सौंपकर सामाजिक समरसता और सहभागिता का संदेश दिया ।

लोकार्पण के उपरांत 110 फीट ऊँचे तिरंगे का भव्य ध्वजारोहण किया गया, जिसे देखने एवं इस गौरवपूर्ण क्षण का साक्षी बनने के लिए क्षेत्र में जनसैलाब उमड़ पड़ा। नव निर्मित यह डोम शेड समाज सेवा को समर्पित एक विशिष्ट स्थल है, जो जरूरतमंद, गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगा।

यह स्थान शादी-विवाह, सामाजिक कार्यक्रम, रामायण पाठ, भागवत कथा एवं अन्य धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों के लिए समर्पित किया गया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगरवासी, गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव, उल्लास एवं सामाजिक एकता का वातावरण देखने को मिला।

समाजसेवा की मिसाल बने इंद्रजीत सिंह

समाजसेवा की मिसाल बने इंद्रजीत सिंह इंद्रजीत सिंह की निरंतर सामाजिक, शैक्षणिक एवं राष्ट्रहित से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका ने उन्हें समाजसेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित किया है। 'बीरा जी के अंगना' जैसे जनहितकारी कार्यों से लेकर शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीय आयोजनों में सहभागिता तक, उनकी पहल समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रही है।

शहरभर के कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता

इसी क्रम में इंद्रजीत सिंह ने शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में आयोजित विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। सुबोध ज्ञानोदय विद्यालय, कुरूद के वार्षिक उत्सव समारोह में वे मुख्य अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर सर्व समाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह, उपाध्यक्ष जोगा राव, शाहनवाज कुरैशी, वरिष्ठ भाजपा नेता कन्हैया सोनी सहित विद्यालय परिवार, शिक्षक-शिक्षिकाएँ, छात्र-छात्राएँ, अभिभावकगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इंद्रजीत सिंह ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और संस्कारों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में नगरवासी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने यह सिद्ध किया कि इंद्रजीत सिंह के प्रयासों को समाज का व्यापक समर्थन प्राप्त है। पूरे आयोजन के दौरान उत्सव, उल्लास और सामाजिक एकता का वातावरण बना रहा, जो क्षेत्र के सामाजिक विकास की मजबूत नींव को दर्शाता है।

राष्ट्रभक्ति का दिया संदेश

77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर इंद्रजीत सिंह ने विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण कर राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित नागरिकों, सदस्यों एवं कमर्चारियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

वार्ड–24, आम्बेडकर आवास, हाउसिंग बोर्ड में आयोजित समारोह में उन्होंने ध्वजारोहण कर नागरिकों को संविधान के मूल्यों पर चलने का आह्वान किया। वहीं, शांति नगर भिलाई स्थित सिविल कॉन्ट्रेक्टर वेलफेयर सोसाइटी में भी उन्होंने ध्वजारोहण कर सदस्यों एवं नागरिकों को राष्ट्रीय एकता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया।

अब मात्र 1 रूपये में पॉवर वाला चश्मा, विधायक सेन हनुमान जन्मोत्सव में करेंगे शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन 2 अप्रैल हनुमान जन्मोत्सव पर एक बहुत ही सराहनीय और जनहितकारी पहल करने जा रहे हैं। आपको बता दें कि वैशाली नगर विधानसभा में हेलमेट-कंबल बैंक, श्रीराम रसोई, फ्री ब्लड टेस्ट, वेंटीलेटर एम्बुलेंस, महाशिवरात्रि के दिन से 1 रूपये में डायलिसिस के आलावा 2 अप्रैल से मात्र 1 रूपये में पॉवर वाले चश्मे भी लोग बनवा सकेंगे।

उन्होंने कहा कि आंखों की मुफ्त जांच के साथ मात्र 1 रुपये के प्रतीकात्मक शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण चश्मा उपलब्ध कराने की यह योजना अक्सर मोतियाबिंद और दृष्टि दोष से जूझ रहे बुजुर्गों के लिए वरदान साबित होगी। यह सुविधा श्वेताम्बर जैन मंदिर, जीरो रोड, शांति नगर भिलाई स्थित विधायक कार्यालय सेन संचालित होगी तथा फिलहाल वैशाली नगर विधानसभा के रहवासियों के लिए शुरू की जा रही है।

श्री सेन ने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा में स्वास्थ्य के प्रति लोग जागरूक रहें, इसी उद्देश्य से जनसेवार्थ लगातार वो ऐसी योजनाएं ला रहे हैं ताकि आर्थिक अभाव के चलते लोग स्वास्थ्यगत समस्याओं को नजर अंदाज नहीं करें।

सराहनीय और जनहितकारी पहल

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि अक्सर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आंखों की जांच और चश्मे का खर्च उठाना मुश्किल होता है, ऐसे में "1 रूपये में पॉवर वाला चश्मा" सीधे तौर पर आम लोगों को राहत पहुंचाएगा।

बच्चों को साफ न दिखने से जहां उनकी पढ़ाई पर नकारात्मक असर पड़ता है वहीं वृद्धजन भी लगातार दृष्टिबाधा को नजरंदाज करते रहे हैं जो कि पहले आंखों पर फिर उनके जीवन के लिए दुष्प्रभावी होता है। बाजार में एक औसत पावर वाले चश्मे की कीमत 600 से 2500 रुपये तक होती है, जिसकी बचत गरीब परिवारों के लिए बड़ी बात है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1 रूपये में पॉवर वाला चश्मा योजना सभी वर्ग के लिए है बशर्ते वो वैशाली नगर विधानसभा के रहवासी हों।

जहरीला एथेनॉल प्लांट ! 20 गांवों का पानी बना जहर, 'न्यू लुक बायो फ्यूल्स' से मचा हाहाकार

स्टोरी ऑफ द डे

स्टिंग जांच में बैगाटोला का दर्द

नई दृष्टिबिंदु की टीम जब बैगाटोला पहुंची, तो वहां के सरपंच कमल नारायण साहू ने खुलकर अपनी पीड़ा जाहिर की है। सरपंच का कहना है कि 'दो साल से गांव का एकमात्र तालाब प्रदूषित हो चुका है। कोई कार्यक्रम नहीं हो पा रहा। न जानवर नहला सकते हैं, न पानी इस्तेमाल कर सकते हैं।' गांव की फसलें खराब हो रही हैं और चारागन की घास भी गायों के चरने योग्य नहीं है।

आलोक तिवारी / नई दृष्टिबिंदु

राजनांदगांव। जिले के विकासखंड स्थित ग्राम फुलझर में न्यू लुक बायो फ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड का एथेनॉल प्लांट आज विकास का नहीं, बल्कि विनाश का प्रतीक बन चुका है। बीते दो वर्षों में इस फैक्ट्री ने आसपास के करीब 15 से 20 गांवों के तालाब, जलस्रोत और पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित कर दिया है। आज हालात यह है कि गांवों का पानी जहरीला हो चुका है, लोग बीमार पड़ रहे हैं और पशुधन तक सुरक्षित नहीं है।

170 KLD का प्लांट, लेकिन प्रदूषण नियंत्रण शून्य

यह फैक्ट्री प्रतिदिन– 170 किलोलीटर एथेनॉल, 4 मेगावाट बिजली, उत्पादन करती है। लेकिन इतनी बड़ी यूनिट में– वेस्ट ट्रीटमेंट, जल शुद्धिकरण, पर्यावरण निगरानी की व्यवस्था जमीनी स्तर पर नाकाम नजर आती है।

नहाने से बीमारी, कपड़े काले, पशु बीमार

तालाबों का पानी अब जानलेवा बनता जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार– नहाने से त्वचा रोग फैल रहे हैं, कपड़े धोने पर काले पड़ जाते हैं, गाय-भैंस नहाने के बाद कमजोर हो रही हैं, बच्चों में एलर्जी और संक्रमण बढ़ रहे हैं, एक ग्रामीण महिला ने कहा–'अब तालाब के पास जाना भी डरावना लगता है।'

तालाबों पर जमी केमिकल परत, बदबू और डर

फरहद, बैगाटोला, कुसमी, नवागांव, मुढ़ीपार, इंदवानी, मगरलोड, देवादा, कोपेडीह सहित कई गांवों के तालाबों पर अब एक अजीब काली-भूरी परत जम गई है। वहां के ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि पानी से तेज दुर्गंध आती है और उसका रंग भी बदल चुका है साथ ही पानी में झाग और गंदगी तैरती रहती है। पानी को हाथ लगाते ही खुजली और जलन होती है। इससे यह साफ हो गया है कि पानी में रासायनिक तत्व घुल चुके हैं।

प्रदूषण बोर्ड और प्रशासन कटघरे में

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन को यह सब दिखाई नहीं देता? ग्रामीणों का आरोप है कि न नियमित जांच होती है, न रिपोर्ट सार्वजनिक होती है और न ही कंपनी पर कारवाई होती है। जिससे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

सूखते पेड़, मरती हरियाली

फैक्ट्री शुरू होने के बाद आसपास के इलाकों में पेड़-पौधे तेजी से सूखने लगे हैं। खेतों की उपज पर भी असर पड़ रहा है। पर्यावरण संतुलन पूरी तरह बिगड़ता जा रहा है।

विकास या विनाश?

सरकार इसे 'ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट' कहती है, लेकिन गांवों के लिए यह– जहरीला पानी, बीमारियां, बेरोजगारी और पलायन की स्थिति बनती जा रही है। न्यू लुक बायो फ्यूल्स का एथेनॉल प्लांट आज आसपास के गांवों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। यदि अब भी ठोस कारवाई नहीं हुई, तो आने वाले समय में यह इलाका गंभीर पर्यावरण और स्वास्थ्य संकट का केंद्र बन जाएगा। अब सवाल सिर्फ इतना है– क्या सरकार गांवों की जान बचाएगी, या मुनाफे के आगे सब चुप रहेगा?

- ☑ गांवों पर मंडराता जल संकट
  आज स्थिति यह है कि– तालाब बेकार हो गया है, हैंडपंप व कुएं गंदे और सूखते जा रहे हैं। ग्रामीण मजबूरी में बाहर से पानी लाने को विवश हैं। गरीब परिवारों पर सबसे ज्यादा मार पड़ रही है।
- ☑ पहले भी उठे थे सवाल, फिर भी आंख मूंदे रहा सिस्टम
  यह पहली बार नहीं है जब इस कंपनी पर सवाल उठे हों। पहले भी अवैध गतिविधियों को लेकर शिकायतें हुई थीं, लेकिन प्रशासन ने समय रहते सख्ती नहीं दिखाई। नतीजा–आज पूरा इलाका प्रदूषण की चपेट में है।
- ☑ ग्रामीणों की दो टूक चेतावनी
  अब गांवों का सब्र टूट रहा है। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश के चलते चेतावनी दी है कि जांच नहीं हुई या फिर फैक्ट्री के संचालन पर रोक नहीं लगाई गई तो बड़ा आंदोलन होगा।

राजनांदगांव की पत्रकार कालोनी का डॉ. रमन सिंह ने किया लोकार्पण

49 लाख रूपए की लागत से पानी टंकी सम्पवेल एवं पाईप लाईन विस्तार का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज 10 एकड़ में निर्मित पत्रकार आवासीय परिसर के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने 3 करोड़ 79 लाख 91 हजार रूपए की लागत से पत्रकार आवासीय परिसर का लोकार्पण किया तथा परिसर में 49 लाख रूपए की लागत से पानी टंकी सम्पवेल एवं पाईप लाईन विस्तार कार्य के लिए भूमिपूजन किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि संस्कारधानी राजनांदगांव का गौरवशाली इतिहास रहा है और उसी में क्रम एक नया नाम जुड़ रहा है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर पत्रकार कॉलोनी में लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव संस्कारधानी से उन्हें बहुत सारी जिम्मेदारियां और ताकत मिली है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने कहा कि राजनांदगांव के पत्रकारों की मेहनत, परिश्रम और एकजुटता से पत्रकार कॉलोनी का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश के लिए राजनांदगांव के पत्रकारों की एकजुटता एक अच्छा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि उसका मकान होता है। 141 पत्रकारों को अपना आवास मिलेगा। पत्रकार गणतंत्र को पोषित, पल्लिवत करने वाले कलम के जादूगर होते हैं। यहां रानी सूयर्मुखी देवी के नाम से आवासीय परिसर होगा। उन्होंने सभी को पत्रकार कालोनी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दो हाई मास्ट लाईट एवं एक सड़क के निर्माण कराने की बात कही।

हरिभूमि पत्र समूह के प्रधान संपादक हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि पत्रकार बिरादरी के सामूहिक प्रयासों और शासकीय सहयोग से आवास का सपना पूरा हुआ। संस्कारधानी राजनांदगांव के पत्रकारों ने एकजुटता का परिचय देते हुए छत्तीसगढ़ में एक उदाहरण प्रस्तुत किया है कि एक साथ रहकर जीवन संवार सकते है। यहां पानी, बिजली सहित अन्य सुविधाएं बहुत अच्छी है। औद्योगिक प्रतिष्ठान एबीस के प्रमुख एवं समाजसेवी बहादुर अली ने कहा कि आज का दिन खुशी का दिन है, जहां 141 पत्रकार एक साथ रहने वाले है। उन्होंने कहा कि ऐसे पत्रकार जिनका आवास तीन वर्ष में पूर्ण होगा, उनके घर में एबीस की ओर से एयर कंडिशनर की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अब पत्रकारिता के संबंध पारिवारिक संबंधों में बदल जाएंगे।

प्रेस क्लब के अध्यक्ष सचिन अग्रहरि ने आवासीय परिसर के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय, समझ के साथ सकारात्मकता से यह कार्य संभव हो सका है। साहित्य, संस्कृति एवं कला की त्रिवेणी संस्कारधानी में एक नया अध्याय जुड़ा है। जहां सभी के सहयोग से कलम के पुजारियों को एक ही परिसर में अपने एवं अपने परिवार के लिए जीवन भर के सपने को साकार करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। प्रेस क्लब हाऊसिंग सोसायटी के अध्यक्ष मिथलेश देवांगन ने कहा कि पत्रकार आवासीय परिसर लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम के अविस्मरणीय पलों के सभी साक्षी बने है। पानी, बिजली एवं अन्य सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए तेजी से कार्य किया जा रहा है और छह महीने में कालोनी पूरी तरह से विकसित हो जाएगी। इस अवसर पर अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल नीलू शर्मा, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, कोमल सिंह राजपूत, सुरेश एच लाल, जितेन्द्र मुदलियार, प्रेस क्लब के संरक्षक जितेन्द्र मिश्रा, अशोक पाण्डेय, सुशील कोठारी, प्रेस क्लब हाऊसिंग सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव, प्रेस क्लब के सचिव अनिल त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष बसंत शर्मा, सहित पत्रकारगण और परिवारजन उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन विरेन्द्र बहादुर ने किया।

संविधान, लोकतंत्र और सुशासन के रास्ते विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण सरकार का संकल्प : मुख्यमंत्री

शहीद सैनिकों एवं पुलिस जवानों के परिजनों को किया सम्मानित, छत्तीसगढ़ पुलिस बल को राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ का पदक देने की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

लोकतंत्र की मजबूती, संविधान की सर्वोच्चता और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आज 77वां गणतंत्र दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास, देशभक्ति और गौरवपूर्ण वातावरण में मनाया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और संयुक्त परेड की सलामी ली। उन्होंने शहीद सैनिकों एवं पुलिस जवानों के परिजनों को सम्मानित किया तथा छत्तीसगढ़ पुलिस बल को राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ का पदक देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने इस मौके पर प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का संविधान हमारी लोकतांत्रिक आस्था, समानता और सामाजिक न्याय का मजबूत आधार है। छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा, विकास और समृद्धि के लिए राज्य सरकार पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गणतंत्र दिवस संदेश में राज्य की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, नक्सल उन्मूलन की दिशा में हुई प्रगति, किसानों-श्रमिकों-महिलाओं के सशक्तीकरण, शिक्षा-स्वास्थ्य-औद्योगिक विकास और सुशासन की विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को स्मरण करने का दिन भी है। उन्होंने संविधान निर्माताओं, विशेषकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि संविधान सामाजिक समरसता, समान अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है। उन्होंने बाबा गुरु घासीदास जी के ह्रमनख-मनखे एक समानह के संदेश को संविधान की आत्मा बताया और कहा कि भारतीय गणतंत्र ने ऐसा खुला समाज निर्मित किया है, जहां हर नागरिक राष्ट्र निर्माण में सहभागी बन सकता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने हाल ही में राज्य स्थापना की रजत जयंती मनाई है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा गठित इस राज्य ने 25 वर्षों में विकास की सशक्त यात्रा तय की है। उन्होंने बताया कि संविधान के मंदिर- छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से संपन्न हुआ। धान की बालियों की डिजाइन और बस्तर-सरगुजा की लोककला से सुसज्जित यह भवन छत्तीसगढ़ी अस्मिता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150वीं जयंती राज्यभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। सुकमा जिले के कोंटा से लेकर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के सीतामढ़ी हरचौका तक लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। यह बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लोकार्पित शहीद वीर नारायण सिंह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डिजिटल संग्रहालय देश का पहला डिजिटल संग्रहालय है, जो आज की पीढ़ी को जनजातीय नायकों के बलिदान से परिचित कराता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि माओवादी हिंसा लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती रही है, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने निर्णायक रणनीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि जवानों के अदम्य साहस और सतत अभियानों के परिणामस्वरूप माओवादी हिंसा अब अंतिम चरण में है और मार्च 2026 तक प्रदेश को नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य पूर्ण होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास, बस्तर कैफे जैसी पहलों और नियद नेल्ला नार योजना के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य बनने के बाद सबसे बड़ी चुनौती अन्नदाता की समृद्धि रही है। आज छत्तीसगढ़ के किसान को धान का देश में सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है। उन्होंने बताया कि धान खरीदी 5 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 149 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुकी है। बीते दो वर्षों में किसानों के खातों में डेढ़ लाख करोड़ रुपए अंतरित किए गए हैं। अटल सिंचाई योजना के तहत 115 लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूर्ण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए गए हैं और प्रतिदिन लगभग 2 हजार आवासों का निर्माण हो रहा है, जो देश में सर्वाधिक है।

उन्होंने कहा कि राज्य विद्युत उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है और शीघ्र ही प्रथम स्थान की ओर अग्रसर है। सौर ऊर्जा, गैस आधारित परियोजनाओं और शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य पर तेजी से काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की सम्मान राशि प्रदान किए जाने की जानकारी दी। अब तक 14,948 करोड़ रुपए की राशि वितरित की जा चुकी है। उन्होंने श्रमिकों के लिए ईएसआई, श्रम संहिताओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की बात कही। मुख्यमंत्री ने बताया कि युक्तियुक्तकरण से शिक्षकों की कमी दूर की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्थानीय भाषाओं में शिक्षा, 9 हजार स्मार्ट क्लास और 22 हजार कंप्यूटर की व्यवस्था की जा रही है। स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में नए मेडिकल कालेजों की स्वीकृति से अब इनकी संख्या बढ़कर 15 हो गई है। बिलासपुर में मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल और हिंदी में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई औद्योगिक नीति के तहत अब तक 7.83 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। नवा रायपुर को आईटी, एआई, फार्मा और मेडिकल हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भविष्य एआई का है और छत्तीसगढ़ इसकी धुरी बनेगा। मुख्यमंत्री ने रामलला दर्शन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना, बस्तर पंडुम, चित्रकोट जलप्रपात, मैनपाट, सरगुजा और जशपुर पर्यटन के विकास का उल्लेख किया। उन्होंने ई-ऑफिस, जेम पोर्टल, बायोमेट्रिक अटेंडेंस और डिजिटल गवर्नेंस के माध्यम से सुशासन की मजबूती पर बल दिया। समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा योजनाओं पर आधारित आकर्षक झांकियां निकाली गईं, जिन्होंने प्रदेश की विकास यात्रा को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया। विकसित छत्तीसगढ़ का आह्वान मुख्यमंत्री ने स्व. लक्ष्मण मस्तूरिया जी की कविता की पंक्तियों के माध्यम से जनभागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सभी की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने अंत में प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

राज्यपाल ने परेड की सलामी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने राजधानी रायपुर में पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और परेड की सलामी ली गई। परेड निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव श्री विकास शील और पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम भी उपस्थित थे। राज्यपाल श्री डेका ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होने कहा कि यह पवित्र अवसर हमें राष्ट्र की एकता और अखण्डता को सहेजते हुए देश के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने की प्रेरणा देता है। गणतंत्र दिवस भारतीय लोकतंत्र की महान परंपरा तथा हमारे संवैधानिक मूल्यों की समृद्ध विरासत का प्रतीक है।

गणतंत्र दिवस पर छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने किया ध्वजारोहण

रायपुर। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग कार्यालय परिसर में गरिमामय वातावरण में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री शर्मा ने संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा नागरिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। उन्होंने खाद्य सुरक्षा एवं उपभोक्ता हित संरक्षण के क्षेत्र में आयोग की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाने के लिए सतत प्रयास करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। कार्यक्रम में आयोग के सदस्य सचिव राजीव जायसवाल, निज सचिव डॉ. सूरज कुमार दुबे, सदस्य राजेन्द्र महिलांग, आयोग के अधिकारी-कर्मचारी तथा नागरिकगण उपस्थित रहे। सभी ने राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई और राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मंत्री ओपी चौधरी ने जांजगीर के शासकीय हाई स्कूल मैदान में फहराया तिरंगा

जांजगीर। मंत्री ओपी चौधरी ने जांजगीर के शासकीय हाई स्कूल मैदान में 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। यह गौरवपूर्ण क्षण हमारे संप्रभु भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है। संविधान निर्माताओं के विजन से प्रेरित होकर हम प्रतिज्ञा लें कि राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और विकास के प्रति समर्पण से लोकतंत्र को और मजबूत बनाएंगे। जय हिंद! मुख्यमंत्री साय ने बिलासपुर से प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का संविधान हमारी लोकतांत्रिक आस्था, समानता और सामाजिक न्याय का मजबूत आधार है। छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा, विकास और समृद्धि के लिए राज्य सरकार पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गणतंत्र दिवस संदेश में राज्य की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, नक्सल उन्मूलन की दिशा में हुई प्रगति, किसानों-श्रमिकों-महिलाओं के सशक्तीकरण, शिक्षा-स्वास्थ्य-औद्योगिक विकास और सुशासन की विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को स्मरण करने का दिन भी है। उन्होंने संविधान निर्माताओं, विशेषकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि संविधान सामाजिक समरसता, समान अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है। उन्होंने बाबा गुरु घासीदास जी के ह्रमनखे-मनखे एक समानह के संदेश को संविधान की आत्मा बताया और कहा कि भारतीय गणतंत्र ने ऐसा खुला समाज निर्मित किया है, जहां हर नागरिक राष्ट्र निर्माण में सहभागी बन सकता है।

केबिनेट मंत्री देवांगन ने कवर्धा में किया ध्वजारोहण

रायपुर। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने प्रभार जिला कबीरधाम के आचार्य पंथ गुंधु मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मैदान में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संदेश का वाचन भी किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों और देशभक्त जनता को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए, देश की अखंडता, एकता और प्रगति के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया।

राजीव भवन रायपुर में दीपक बैज ने गणतंत्र दिवस पर फहराया तिरंगा, कहा भारतवासियों के लिए यह गौरव का दिन है

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजीव भवन रायपुर में दीपक बैज ने गणतंत्र दिवस 2026 पर तिरंगा फहराया। साथियों आज का दिन समूचे भारतवासियों के लिए गौरव का दिन है। आज के दिन ही स्वतंत्र भारत के संविधान को लागू किया गया था तथा सही मायने में संविधान को लागू कर प्रजातांत्रिक गणराज्य के रूप में भारत ने अपने नागरिकों को समता, न्याय और स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया है। हमारा संविधान हमें दुनिया के अन्य प्रजातांत्रिक देशों से अलग करता है। क्योंकि भारत ने आज के दिन जो संविधान लागू किया ऐसा वृहद संविधान दुनिया के किसी भी देश के पास नहीं है।

हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जो अपने नागरिकों के मूलभूत अधिकारों के साथ उनके कर्तव्यों की भी व्याख्या करता है। हमारे पूर्वजों ने हमें जो संविधान दिया, वह महज एक किताब नहीं, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता और समानता की गारंटी है। लेकिन आज दुख के साथ कहना पड़ता है कि हमारे इस गौरवशाली संविधान पर लगातार प्रहार किये जा रहे हैं। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है और जनता की आवाज को दबाने की कोशिशें सुनियोजित तरीके से हो रही है। साथियों प्रदेश की भाजपा सरकार पिछले दो वर्षो में अलोकप्रिय साबित हो चुकी है जो मोदी की गारंटी के नाम पर 2023 के विधानसभा चुनावों में लोक लुभावने वादे कर सत्ता में आई थी। भाजपा ने दो वर्षों में अपने एक भी वादे को पूरा नहीं किया है।

धान खरीदी केन्द्रों में किसान अपना धान बेचने के लिये दिन-रात चक्कर लगाते-लगाते थक कर चुर हो जाता है लेकिन उसका धान न तो समय पर बिक पा रहा है और न ही किसान को उसके धान का सही समय पर सही मूल्य एवं भुगतान मिल पा रहा है। भाजपा की सरकार में लाखों क्विंटल धान सड़ कर बर्बाद हो रहा है तथा करोड़ों रूपये के धान को चूहां के द्वारा खा जाने का बेशर्मीपूर्वक दावा किया जा रहा है, राज्य के खजाने एवं किसानों के मेहनत की इतनी बर्बादी इसके पूर्व कभी भी नहीं हुयी है। साथियों भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में वादा किया था कि राज्य की 1.25 करोड़ विवाहित

महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 1000 रूपये महीना दिया जायेगा। परन्तु वर्तमान में हकीकत ये है कि प्रदेश की मात्र आधी माहिलाओं को ही महतारी वंदन की राशि मिल पा रही है, शेष विवाहित महिलायें आज भी महतारी वंदन योजना की राशि का इंतजार कर रही है।

साथियों कांग्रेस की सरकार ने दुरस्थ अंचलों में शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्कूलों की संख्या में बढ़ोत्तरी की थी तथा गरीब प्रतिभाशाली छात्रों को अंग्रेजी माध्यम में गुणवत्ता पूर्ण निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आत्मानंद स्कूलों की स्थापना की थी, परन्तु वर्तमान भाजपा सरकार के द्वारा आत्मानंद स्कूल को संसाधन विहिन कर उन्हे बंद करने की साजिश की जा रही है। इन 2 सालों में एक भी नये स्कूल खोलने के स्थान पर युक्तियुक्तकरण के नाम पर 10463 स्कूलों को बंद कर दिया गया है। साथियों कांग्रेस की सरकार में राज्य के आम एवं गरीब लोगों को उच्च गुणवत्तापूर्ण दवाईयां कम दामो में उपलब्ध करायी जाती थी, परन्तु वर्तमान में आलम ये है कि आम एवं गरीब जनता को नकली दवाईयां उपलब्ध करायी जा रही है तथा सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है, जिसके परिणाम स्वरूप राज्य की जनता परेशानी का सामना करने पर मजबूर है।

कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा बचाओ संग्राम चला रही है। छत्तीसगढ़ में भी हम लगातार मनरेगा बचाओ के तहत आंदोलन कर रहे है जिसके तहत प्रदेशस्तरीय मौन प्रदर्शन, पत्रकारवार्तायें आयोजित किया गया है तथा प्रदेश के अनेकों स्थानों में पदयात्रायें आयोजित की जा रही है। हमारा यह मनरेगा बचाओ संग्राम पूरे फरवरी माह तक चलेगा। कांग्रेस गरीबों, मजदूरों की लड़ाई लड़ने को प्रतिबद्ध है। साथियों एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में सरकार के जनविरोधी फैसलों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी लगातार जनता की आवाज बुलंद कर रही है। हम सड़क से लेकर सदन तक मजबूत विपक्ष के रूप में सरकार को आईना दिखा रहे है। हमारा उद्देश्य छत्तीसगढ़ के लोगों के हितों के लिए संघर्ष करना तथा देश एवं प्रदेश की जनविरोधी सरकार को बेदखल कर एक लोक जनकल्याणकारी सरकार का गठन करना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तक जनहित में हमारा संघर्ष अनवरत जारी रहेगा।

इंद्रावती भवन में आयुक्त अवनीश ने किया ध्वजारोहण

रायपुर। इंद्रावती भवन में आयुक्त अवनीश कुमार शरण ने किया ध्वजारोहण

रायपुर। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर आज विभागाध्यक्ष कार्यालय इंद्रावती भवन अटल नगर नवा रायपुर में नगर तथा ग्राम निवेश एवं गृह निर्माण मंडल के आयुक्त अवनीश कुमार शरण द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मंत्रालय में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव वंधावन ने किया ध्वजारोहण गणतंत्र दिवस के अवसर पर सवेरे यहां छत्तीसगढ़ मंत्रालय (महानदी भवन) नवा रायपुर अटल नगर में सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव अविनाश वंधावन ने ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों और गणमान्य नागरिकों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

सांसद अग्रवाल ने बलौदाबाजार में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली

बलौदाबाजार। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बलौदाबाजार में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के त्याग व संघर्ष को नमन करते हुए, तिरंगे के सम्मान के साथ लोकतंत्र, एकता और अखंडता की भावना को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया। आइए, संविधान के मूल्यों को आत्मसात करते हुए एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

आयुक्त डॉ. रवि मित्तल ने किया राष्ट्रीय ध्वजारोहण

रायपुर। जनसम्पर्क संचालनालय में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. रवि मित्तल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात् डॉ. मित्तल ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संविधान के मूल्यों को आत्मसात करने और कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभाग के अपर संचालक उमेश मिश्रा, संजीव तिवारी, आलोक देव, संयुक्त संचालक डी.एस. कुशराम, पवन गुप्ता, बालमुकुंद तम्बोली, धनंजय राठौर, जयंत देवांगन, जितेन्द्र नागेश, इस्मत जहां दानी सहित संचालनालय के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

चित्रोत्पला फिल्म सिटी छत्तीसगढ़ की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को देगी नई गति : मुख्यमंत्री साय

फिल्म निर्माण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश-दुनिया में मिलेगी विशेष पहचान, 150 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 100 एकड़ में विकसित होगी फिल्म सिटी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ का बरसों पुराना सपना आज साकार हो गया है। चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से फिल्म निर्माण के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश और दुनिया में एक नई पहचान मिलेगी। इस महत्वाकांक्षी पहल के माध्यम से छत्तीसगढ़ न केवल फिल्म निर्माण और सांस्कृतिक आयोजनों का एक प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर होगा, बल्कि यह परियोजना राज्य की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करेगी। चित्रोत्पला फिल्म सिटी और ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण से स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा, निवेश के नए अवसर सृजित होंगे और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त होगी। यह परियोजना आने वाले वर्षों में राज्य के युवाओं, कलाकारों और पर्यटन क्षेत्र के लिए विकास के नए द्वार खोलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के ग्राम माना-तूता में चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ चित्रोत्पला फिल्म सिटी तथा ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण की आधारशिला रखी। इस ऐतिहासिक अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों, फिल्म कलाकारों, निमार्ता-निर्देशकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के अभिनय और कला जगत से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चित्रोत्पला फिल्म सिटी के माध्यम से प्रदेश के हजारों हुनरमंद कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। स्थानीय फिल्म निमार्ताओं को फिल्म निर्माण से जुड़ी सभी तकनीकी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने फिल्म सिटी

एवं ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के लिए केंद्र सरकार से प्राप्त सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार में प्रदेश की कला और कलाकारों को उचित सम्मान मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने भूमिपूजन के साथ ही फिल्म निर्माण और कन्वेंशन सेंटर से संबंधित विभाग को चार प्रस्ताव प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में फिल्म निर्माण गतिविधियों को नई गति मिलेगी और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों को बड़े पर्दे पर स्थान मिलेगा।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज का यह अवसर छत्तीसगढ़ पर्यटन एवं फिल्म विकास उद्योग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केवल एक निर्माण परियोजना की शुरूआत नहीं है, बल्कि राज्य के सांस्कृतिक, आर्थिक और रचनात्मक भविष्य की सशक्त नींव है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता से परिपूर्ण राज्य है और इस पहल से पर्यटन के साथ-साथ फिल्म उद्योग को भी नया आयाम मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में छत्तीसगढ़ फिल्म निमार्ताओं के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभरा है। हमारी स्पष्ट योजना है कि आगामी दो वर्षों के भीतर इन परियोजनाओं को पूर्ण कर राज्य को समर्पित किया जाएगा।

इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा, विधायक इंद्र कुमार साहू, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल तथा पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने फिल्म सिटी के प्रस्तावित मास्टर प्लान का किया अवलोकन

चित्रोत्पला फिल्म सिटी एवं ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के भूमिपूजन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने परियोजना के

प्रस्तावित मास्टर प्लान का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं तथा परियोजना पर आधारित एक लघु फिल्म भी देखी।

चित्रोत्पला फिल्म सिटी के भूमिपूजन अवसर पर पर्यटन विभाग को मिले 4 प्रस्ताव

चित्रोत्पला फिल्म सिटी के भूमिपूजन के साथ ही पर्यटन विभाग को फिल्म निर्माण एवं कन्वेंशन सेंटर में इकाइयों की स्थापना हेतु चार प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। समारोह के दौरान ये प्रस्ताव मुख्यमंत्री को सौंपे गए। गदर फिल्म के निमार्ता अनिल शर्मा ने अपनी आगामी फिल्म का निर्माण चित्रोत्पला फिल्म सिटी में करने का प्रस्ताव दिया। इंडिया एक्सपोजीशन मार्ट लिमिटेड के चेयरमेन राकेश कुमार ने ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर में इंटरनेशनल एक्जीबिशन सेंटर एवं ट्रेड मार्ट के निर्माण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स के चेयरमेन नीरज खन्ना ने यहां वर्ल्ड क्लास हैंडीक्राफ्ट्स एंड गिफ्ट फेयर आयोजित करने का प्रस्ताव दिया। वहीं एटी फिल्म्स हॉलीवुड से आशुतोष वाजपेयी ने हॉलीवुड फिल्मों एवं स्ट्रीमिंग वीडियो कंटेंट को चित्रोत्पला फिल्म सिटी में लाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री को सौंपा।

उल्लेखनीय है कि राज्य में फिल्म टूरिज्म की व्यापक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की ह्लकैपिटल इन्वेस्टमेंट हेतु राज्यों को विशेष सहायता झ्र ग्लोबल स्तर के आइकॉनिक पर्यटन केंद्रों का विकासह्व योजना के अंतर्गत इन दोनों परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना के तहत चित्रोत्पला फिल्म सिटी के निर्माण हेतु 95.79 करोड़ रुपये तथा ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण हेतु 52.03 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इन दोनों परियोजनाओं का क्रियान्वयन पीपीपी (पब्लिकझ्रप्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के अंतर्गत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त निजी क्षेत्र से लगभग 300 करोड़ रुपये के निवेश की भी संभावना है। परियोजनाओं को दो वर्षों की समयावधि में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

चित्रोत्पला फिल्म सिटी एवं ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जाएंगे। फिल्म सिटी के निर्माण से छत्तीसगढ़ में स्थानीय एवं अन्य वाणिज्यिक फिल्मों और वेब सीरीज के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। राज्य के प्राकृतिक दृश्य, पर्यटन स्थल एवं समृद्ध संस्कृति फिल्म शूटिंग के लिए अत्यंत अनुकूल हैं।

फिल्म सिटी में गांव, शहर एवं गलियों के सेट, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, जेल एवं पुलिस चौकी, स्कूल-कॉलेज, मंदिर एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों के सेट, स्कल्प्चर गार्डन, शॉपिंग स्ट्रीट, प्रोडक्शन ऑफिस, स्टूडियो, प्रशासनिक भवन एवं पार्किंग विकसित की जाएगी। साथ ही पर्यटकों के लिए टॉय म्यूजियम, स्नो वर्ल्ड, होटल, रेस्टोरेंट, मल्टीप्लेक्स एवं एक्सपीरियंस सेंटर जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। ट्राइबल एंड कल्चरल कन्वेंशन सेंटर में लगभग 1500 लोगों की क्षमता वाला आधुनिक कन्वेंशन हॉल विकसित किया जाएगा, जिसमें मीटिंग, कॉन्फ्रेंस, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, अतिथि कक्ष, जिम, लाइब्रेरी, स्वीमिंग पूल एवं प्रशासनिक ब्लॉक जैसी सुविधाएं होंगी।

फिल्म शूटिंग, फेस्टिवल और रोजगार के नए अवसर

उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में छत्तीसगढ़ में न्यूटन, जहानाबाद, कौन प्रवीण तांबे, द ग्रेट इंडियन मर्डर, ग्राम चिकित्सालय जैसी फिल्मों एवं वेब सीरीज की शूटिंग हो चुकी है, जिससे राज्य में वाणिज्यिक फिल्म निर्माण की व्यापक संभावनाएं स्पष्ट होती हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से स्थानीय कलाकारों एवं तकनीशियनों को नए अवसर प्राप्त होंगे। फिल्म फेस्टिवल, अवॉर्ड शो एवं अन्य मनोरंजन कार्यक्रमों के आयोजन की संभावनाएं भी सुदृढ़ होंगी। इसके साथ ही राज्य के पर्यटन स्थलों का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार होगा तथा फिल्म टूरिज्म के साथ सामान्य पर्यटन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

लोक साहित्य जनझ्रजीवन की गहरी अनुभूतियों से उपजा समृद्ध साहित्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर साहित्य उत्सव के दूसरे दिन प्रथम सत्र में लाला जगदलपुरी मंडप में छत्तीसगढ़ के लोकगीतों पर परिचर्चा आयोजित हुई। इसमें डॉ. पीसी लाल यादव, श्रीमती शकुंतला तरार, बिहारीलाल साहू और डॉ. विनय कुमार पाठक विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए तथा अपने विचार रखें।

डॉ. पीसी लाल यादव ने कहा कि वतर्मान समय में छत्तीसगढ़ के लोकगीत मानवता के पक्षधर हैं, जो हमें रास्ता दिखाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकगीतों को गर्व से संजोकर रखने का दायित्व अब युवा पीढ़ी का है। परिचर्चा में दूसरी वक्ता श्रीमती शकुंतला तरार ने बस्तर के लोकगीतों और उनके महत्व को अनूठे अंदाज में प्रस्तुत किया। बस्तर के लोकगीत सुनाकर उन्होंने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने घोटुल के इतिहास, लिंगोपेन देवता की पूजा पद्धति में गाए जाने वाले ककसार गीत (जो महिलाओं द्वारा गाए जाते हैं) आखेट पर जाते पुरुषों के लिए महिलाओं द्वारा गाए मंगल गीत, छेरछेरा परंपरा, जगार धार्मिक पर्व में धनकुल गीत तथा 650 वर्षों से चली आ रही बस्तर दशहरा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बस्तर पंडुम द्वारा सरकार के कार्यों की भी सराहना की।

बिहारी लाल साहू ने युवाओं को मार्गदर्शन देते हुए वतर्मान लोकगीतों, कहानियों एवं पहेलियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पुराने समय में छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकगीतों के महत्व को उदाहरणों सहित समझाया तथा बताया कि छत्तीसगढ़ी एक समृद्ध और पूर्ण भाषा है।

अंत में डॉ. विनय कुमार पाठक ने कहा कि लोक साहित्य जनझ्रजीवन की गहरी अनुभूतियों से उपजा समृद्ध साहित्य है। उन्होंने लोकगीतों को लेकर प्रचलित भ्रांतियों को दूर करते हुए इसकी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और रचनात्मक महत्ता को रेखांकित किया। सत्र के अंत में डॉ. पीसी लाल यादव का छत्तीसगढ़ी गजल संग्रह ह्यहमर का बने का गिनहाह्य तथा कविता संग्रह ह्यदिन म घलो अंधियार हावयह्य का विमोचन किया। साथ ही श्रीमती वणिर्का शर्मा द्वारा निर्मित वीडियो ह्यमहतारी की आरतीह्य का विमोचन किया गया।

रायपुर साहित्य उत्सव के समापन समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि इंटरनेट से भरी इस दुनिया और न्यू जनरेशन वाले इस दौर में भी प्रिंट और साहित्य का महत्व हमेशा बना रहेगा। राज्यपाल श्री डेका ने आज नवा रायपुर के पुरखौती मुक्तांगन परिसर में तीन दिवसीय रायपुर साहित्य उत्सव ह्यआदि से अनादिह्य के समापन समारोह के अवसर पर उक्त विचार व्यक्त किए। राज्यपाल ने कहा कि साहित्य और कविता में हमेशा एक संदेश होना चाहिए। जिस तरह संगीत के सात स्वर हमें जोड़े रखते है उसी तरह साहित्य का आदान-प्रदान नई बातों का सीखने का अवसर प्रदान करता है।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से राज्यपाल ने कहा कि पिछले तीन दिनों में इस मंच पर बहुत अच्छी और सार्थक चर्चाएं हुईं। विचारों का खुलकर आदान-प्रदान हुआ। सबने मिलकर साहित्य, समाज और जीवन से जुड़े कई विषयों पर बात की। यह उत्सव सभी साहित्य प्रेमियों के लिए एक यादगार और सीखने वाला अनुभव रहा है। इस दौरान कई महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन भी हुआ। देश भर से आए नामी प्रकाशकों ने यहां किताबों का बहुत सुंदर संग्रह प्रस्तुत किया। पाठकों को नई-नई किताबें देखने और पढ़ने का अच्छा मौका मिला। यह देखकर अच्छा लगता है कि आज भी लोगों में किताबों के प्रति गहरी रुचि है। श्री डेका ने कहा साहित्य और संगीत का आदान प्रदान जरूरी है और ऐसे साहित्य का उत्सव हमेशा होना चाहिए। उन्होंने तीन दिवसीय सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन राज्य के अन्य शहरों एवं गांवों के स्तर तक भी किया जाना चाहिए और यह आयोजन सरकारी न होकर समुदाय की भागीदारी वाले होने चाहिए।

जब हम मिट्टी में मिल रहे हो तो ये मिट्टी भी रोये इस धरती की - सुश्री रुबिका लियाकत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर साहित्य उत्सव के दूसरे दिन अभिनव नीरव मंडल के प्रथम सत्र में विचारोत्तेजक संवाद और सारगर्भित विमर्श हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में आईं वरिष्ठ पत्रकार रुबिका लियाकत एवं छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा के मध्य रोचक परिचर्चा सम्पन्न हुई।

अपने संबोधन में सुश्री लियाकत ने राष्ट्रवाद पर संबोधित कहा कि जब हम मिट्टी में मिल रहे हों, तो यह मिट्टी भी रोए इस धरती की। उन्होंने पत्रकारिता के 18 वर्षों के अनुभव साझा करते हुए युवाओं को आगाह किया कि सोशल मीडिया पर आए 30 सेकंड के वीडियो पर आँख मूँदकर भरोसा न करें, बल्कि तथ्यों की स्वयं पड़ताल करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे किसी व्यक्ति या विचारधारा के लिए नहीं, बल्कि सत्य और अच्छाई के लिए कार्य करती हैं और उनकी प्रतिबद्धता भारत के प्रति है।

इतिहास और सामाजिक समरसता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी के दंगों के समय किए गए मानवीय कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा स्वभावतः सेक्युलर है और भारतीयता उसी समझ से विकसित होती है। निजी प्रसंग साझा करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी दादी सनातन परंपराओं का पालन भी करती थीं, पाँच वक्त नमाज भी पढ़ती थीं और सबका आदर करती थीं, यह भारत की साझा संस्कृति का उदाहरण है। विराट हिंदू सम्मेलन से जुड़े अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें धर्म पर मन से विचार रखने के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं कलमा पढ़ती हैं, उनके तीनों बच्चे कुरान पढ़ते हैं पर वे अपने बच्चों को इस प्रकार तैयार कर रही हैं कि वे वंदे मातरम् और भारत माता की जय कहने में संकोच न करें क्योंकि उनकी पहचान भारतीय होने से है।

प्रश्नोत्तर सत्र में पत्रकार बनने की आकांक्षा रखने वाली पत्रकारिता की छात्रा के प्रश्न पर उन्होंने परिश्रम, सत्यनिष्ठा और निर्भीकता को सफलता की कुंजी बताया। धर्म और राष्ट्रवाद से जुड़े प्रश्नों पर उन्होंने कहा कि किसी भी ग्रंथ या विचार को गुरु से समझना चाहिए, संदर्भ जानना चाहिए, और किसी की बातों में बहकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए क्योंकि एक ही बात के कई अर्थ हो सकते हैं। राष्ट्रवाद के प्रश्न पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं हमेशा भारत और राष्ट्रवाद को चुनूँगी। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने दो पुस्तकों का विमोचन किया, जिसमें जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित छत्तीसगढ़ के साहित्य पुरोधा एवं पूजा अग्रवाल की काव्य संग्रह 'अम्मा की चाय' शामिल थे। सत्र में बड़ी संख्या में युवा, साहित्यप्रेमी और पत्रकारिता से जुड़े लोग शामिल हुए।

रायपुर साहित्य उत्सव में 'भारत का बौद्धिक विमर्श' सत्र बना वैचारिक मंथन का केंद्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर के गौरवशाली आयोजन रायपुर साहित्य उत्सव ने अपनी भव्यता और वैचारिक गंभीरता से प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के साहित्यिक और बौद्धिक जगत में एक सशक्त पहचान बनाई है। उत्सव के विभिन्न सत्रों के बीच 'भारत का बौद्धिक विमर्श' विषय पर आयोजित विशेष सत्र ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया, जिसने बुद्धिजीवियों, युवाओं और श्रोताओं को गहन विचार के लिए प्रेरित किया।

इस सत्र के मुख्य वक्ता प्रख्यात विचारक एवं लेखक राम माधव रहे। उन्होंने अपने संतुलित और तार्किक वक्तव्य के माध्यम से भारतीय चेतना को आधुनिक संदर्भों में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। राम माधव ने कहा कि किसी भी जीवंत राष्ट्र के लिए उसका बौद्धिक विमर्श उसकी प्राणवायु होता है। उन्होंने प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक विज्ञान और वैश्विक राजनीति से जोड़ते हुए यह स्पष्ट किया कि भारत का चिंतन न केवल मौलिक है, बल्कि तार्किक कसौटी पर भी पूरी तरह खरा उतरता है।

राम माधव ने इस भ्रांति को भी सशक्त तर्कों के साथ खंडित किया कि बौद्धिकता केवल पश्चिमी दृष्टिकोण तक सीमित है। उन्होंने कहा कि भारत का स्वतंत्र चिंतन 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना के साथ-साथ आधुनिक यथार्थ को समझने की क्षमता भी रखता है। संवाद के दौरान उनके तर्कों की श्रृंखला ने विद्वानों के साथ-साथ युवाओं और सामान्य श्रोताओं को भी विशेष रूप से प्रभावित किया।

सत्र के दौरान उपस्थित श्रोताओं ने भी अपने विचार साझा किए, जिससे पूरा वातावरण परंपरा और भविष्य की प्रगति के संतुलन से भरे वैचारिक संवाद में बदल गया। सत्र के समापन पर यह संदेश उभरकर सामने आया कि असहमति भी तभी सार्थक है, जब वह तर्क और मयार्दा के दायरे में हो। रायपुर साहित्य उत्सव का यह सत्र केवल एक चर्चा नहीं, बल्कि सकारात्मक, रचनात्मक और आत्मबोध से जुड़े बौद्धिक विमर्श की नई संस्कृति का प्रतीक बनकर सामने आया। इस आयोजन ने यह भी सिद्ध कर दिया कि छत्तीसगढ़ की माटी में लोक संस्कृति के साथ-साथ उच्चस्तरीय वैचारिक मंथन के लिए भी एक सशक्त और उर्वर भूमि मौजूद है।

साहित्य व शासन एक दूसरे पर परस्पर पूरक स्तंभ हैं: कलेक्टर सिंह

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शासन और साहित्य विषय पर आज लाला जगदलपुरी मंडप में दिलचस्प चर्चा हुई। सूत्रधार थे कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और अतिथि वक्ता थे पूर्व आईएएस अधिकारी श्री बीकेएस रे, श्रीमती इंदिरा मिश्रा, डॉ. सुशील त्रिवेदी और डॉ. संजय अलंग। साहित्य में गहरी दिलचस्पी रखने वाले और अपनी प्रशासनिक क्षमता से प्रदेश में पहचान छोड़ने वाले अधिकारियों ने सूत्र बताए कि किस तरह साहित्य शासन-प्रशासन को जनकल्याण के लिए लगातार सकारात्मक दिशा में लेकर जाता है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि साहित्य समाज को जगाता है। डॉ. सिंह ने कहा कि अगर साहित्य केवल प्रशंसा करता है तो वो कमजोर हो जाता है और शासन यदि केवल नियंत्रण करता है तो वो कठोर हो जाता है इसलिए लोकतंत्र की असली ताकत यही है कि आलोचना को सुना जाए और संवेदना को नीति में बदला जाए। उन्होंने हिंदी साहित्य के इतिहास के प्रसंग बताते हुए कहा कि किस प्रकार वीरगाथा काल में कवियों ने राष्ट्रबोध जगाया और भक्तिकाल में उन्होंने वो मानक बताये जिससे शासन को चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि साहित्य हमेशा केंद्र में रहा है और साहित्यकारों ने अपने प्रखर विचारों को हमेशा रखा। इस मौके पर डॉ. सुशील त्रिवेदी ने कहा कि साहित्य की शक्ति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि स्वतंत्रता संग्राम में हमारे अनेक नेता साहित्यकार रहे। उस दौर में अंग्रेजों की आलोचना करने वाले साहित्यकारों की किताबों पर बैन लगाया गया। यह साहित्य की शक्ति है। उन्होंने दिनकर को उद्धृत करते हुए कहा कि जब राजनीति फिसलती है तो साहित्य उसे संभालता है। यह साहित्य की बड़ी शक्ति है। डॉ. संजय अलंग ने कहा कि साहित्यकार जो देखते हैं उसे लिख देते हैं यह आलोचना भी होती है और प्रशंसा भी होती है।

श्रीमती इंदिरा मिश्रा ने लेखिका तसलीमा नसरीन का जिक्र किया कि उन्होंने सच्चाई को सामने लाने की हिम्मत दिखाई और उन्हें निर्वासन सहना पड़ा। साहित्य सच को सामने लाता है और समाज को आइना दिखाता है। साहित्य संवेदनशीलता लाता है और जनकल्याणकारी शासन की नींव तैयार करता है। इस मौके पर बीकेएस रे ने कहा कि साहित्य हमारे मनोविज्ञान को बदलता है और एक संवेदनशील मनुष्य बेहतर प्रशासक बनता है। रे ने फ्रांस के स्टूडेंट मूवमेंट का उदाहरण बताते हुए कहा कि नोबल पुरस्कार प्राप्त जीन पाल सार्त्र के नेतृत्व में हो रहे मूवमेंट को रोकने कैबिनेट के बैठक में चर्चा चली। जब किसी ने सार्त्र को गिरफ्तार करने की बात कही तो चार्ल्स डी गाव ने कहा कि हम इस सदी के वाल्तेयर को गिरफ्तार करने का जोखिम नहीं उठा सकते। यह साहित्य की शक्ति है।

रे ने वाक्लाव हैवल जैसे विचारकों के प्रमुख उद्दरणों को रखा और इसके माध्यम से अपनी बात कही। सूत्रधार डॉ. गौरव सिंह ने अंत में चर्चा के निष्कर्ष के रूप में कहा कि साहित्य संवेदनशीलता प्रदान करता है समझ प्रदान करता है इसलिए हर युग में वो केंद्र में रहा है। उन्होंने कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव जैसे आयोजनों से साहित्य के प्रति लोगों की जागरकूता बढ़ाने में मदद मिलती है। इस अवसर पर उप संचालक सौरभ शर्मा ने शासकीय गमछा पहनाकर स्वागत किया एवं संयुक्त संचालक हीरा देवांगन ने प्रतीक चिन्ह प्रदान किया। साथ ही कुछ नवोदित साहित्यकारों के पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

संपादकीय

धान खरीदी पर राजनीति न हो, ऐसा हो नहीं सकता

जब से छत्तीसगढ़ अलग राज्य बना है। धान खरीदी हो और उस पर राजनीति न हो ऐसा कभी हुआ नहीं है। धान खरीदी शुरू होने से पहले राजनीति शुरू हो जाती है और धान खरीदी समाप्त होने के बाद भी कुछ दिन राजनीति चलती रहती है।जो सत्ता में रहता है, मान लिया जाता है कि वह किसान हितैषी है क्योंकि किसानों ने वोट देकर उनकी सरकार बनाई है।जो सत्ता में नहीं रहता है माना जाता है कि उनको किसानों ने सत्ता देने के लायक नहीं समझा यानी किसानों ने उनको अपना हितैषी नहीं समझा इसलिए उनको सत्ता नहीं सौंपी। इसलिए जो सत्ता में नहीं है, उसकी कोशिश हमेशा किसानों को जनता को यह बताने की होती है कि सरकार किसान हितैषी नहीं, इससे किसानों को परेशानी हो रही है।

भाजपा सत्ता में है, सीएम साय मुख्यमंत्री हैं। माना जाता है कि भाजपा सरकार किसानों की हितैषी है, इसलिए चुनाव में जनता ने भाजपा को जिताया और कांग्रेस को नही जिताया। भाजपा दो साल में यह साबित करने में सफल रही है कि वह किसानों की हितैषी है, उसने हर साल किसानों का ज्यादा धान खरीदा है जितने में खरीदने का वादा चुनाव में किया उतने में खरीदा है और धान का पैसा भी कांग्रेस की तुलना मे किसानों को जल्द मिला है। कांग्रेस कोई काम करके तो यह साबित नहीं कर सकती कि वह किसान हितैषी है तो जहां मौका मिलता है कि यह बताने का प्रयास करती है कि सरकार किसान हितैषी नहीं है, सरकार के कारण किसानों को बहुत परेशानी हो रही है। वह किसानों की परेशानी को बढ़ा चढ़ाकर बताती है।

कांग्रेस को जैसे ही पता चलेगा कि सरकार १५ नवंबर से धान खरीदी शुरू करने वाली है तो कांग्रेस खुद को किसान हितैषी बताने के लिए तुरंत बयान जारी करेगी कि १५ नवंबर से धान खरीदी होने से किसानों को नुकसान होगा।सरकार किसानों का पूरा धान नहीं खरीदने के लिए दे ?ी से धान खरीद रही है।हर साल धान खरीदी में थोडी.बहुत अव्यवस्था तो होती ही है,जिससे किसानों को परेशानी होती है।खबरे भी छपती हैं, किसान धरना प्रदर्शन भी करते हैं।लेकिन हर साल की तरह धान खरीदी पिछले साल से ज्यादा हो ही जाती है। इस बार भी धान खरीदी को कुछ दिन बचे हैं और कांग्रेस की राजनीति शुरू होगई है कि भूपेश बघेल कह रहे हैं कि २० प्रतिशत किसान अभी धान बेच नहीं पाए हैं,सरकार को धान खरीदी की तारीख बढ़ानी चाहिए।

खबर छप रही है कि ६ दिन में पांच लाख किसानों से धान खरीदी होनी है और तीन दिन छुट्टी हैं इसलिए धान खरीदी मुश्किल हैं यानी सरकार को धान खरीदी कुछ दिन बढ़ानी होगी। सरकार भी देखती है कि तय समय पर धान खरीदी नहीं होगी तो वह भी किसानों को कुछ दिन हर साल मौका देती है।यह भी कांग्रेस को मालूम है फिर भी भूपेश बघेल के बाद कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज मांग कर रहे हैं कि धान की समय सीमा एक माह बढ़ाई जाए।सच यह है कि सरकार की अच्छी व्यवस्था के कारण अब तक ११६ लाख टन धान की खरीदी हो चुकी है।किसानों को २७४१४ करोड़ रुपए का भुगतान भी हो चुका है।यह सरकार की सफलता है क्योंकि कांग्रेस तो यह आरोप लगा रही थी कि सरकार किसानों का पूरा धान नहीं खरीदना चाहती है।

किसानों को धान खरीदी में किसी तरह की दिक्कत न हो इसकी चिंता सरकार धान खरीदी के पहले से करती है और हर साल ऐसी व्यवस्था करती है कि किसानों को कम से कम परेशानी हो, धान बेचने में ज्यादा से ज्यादा सुविधा हो। आफ लाइन मे टोकन की परेशानी होती है तो आफ लाइन भी टोकन की व्यवस्था की गई है। सबसे अच्छी बात तो यह है कि साय सरकार के समय पैसों के भुगतान की समस्या नहीं है। धान बेचते के कुछ दिन बात पैसा खाते में आ जाता है।सरकार ने अवैध धान की बिक्री व भंडारण पर रोक लगाने की व्यवस्था भी इस बार की थी और वह पिछली बार से ज्यादा अच्छी थी लेकिन धान का अवैध धंधा करने वाले नए नए तरीके निकाल ही लेते हैं और धान खपा भी लेते हैं तो यह धान खरीदी तंत्र में शामिल कुछ लोगों के कारण ही संभव हो जाता है। सरकार ने ऐसे लोगों के खिलाफ कारर्वाई है,.यह अच्छी बात है कि सरकार कहती ही नहीं है कि भ्रष्टाचार रोका जाएगा वह रोकने का पूरा प्रयास भी करती है।

21वीं सदी में वैश्विक स्तर पर युद्ध के बदलते स्वरूप

21वीं सदी में शक्ति संघर्ष का स्वरूप बहुत तेजी से बदल रहा है। अब विभिन्न देशों के बीच संघर्ष, तोप, मिसाइल एवं सेनाओं के माध्यम से नहीं लड़े जा रहे हैं बल्कि तकनीकि उपलब्धता, मुद्रा नियंत्रण, पूंजी प्रवाह, खाद्य सुरक्षा, आकड़ों (डेटा) का संग्रहण, नियम निर्माण को प्रभावित करने की क्षमता एवं वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित करना, आदि में माध्यम से लड़ा जा रहा है। यह एक ऐसा बहुपरत, निरंतर संस्थागत एवं सूक्ष्म युद्ध का स्वरूप है जो राष्ट्र की आर्थिक सामरिक स्वायत्तता को बिना पारम्परिक लड़ाई के नष्ट करने की क्षमता रखता है। यह युद्ध वैश्विक बाजारी शक्तियों अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, वॉल स्ट्रीट पर आधारित वित्तीय नेट्वर्क, डॉलर आधारित भुगतान प्रणाली, अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक), रेटिंग संस्थानों, बड़े तकनीकि संस्थानों एवं निजी सैन्य परामर्श समूहों द्वारा मिलकर संचालित किया जा रहा है। यह युद्ध एक प्रणाली है एवं यह एक घटना नहीं है।

प्रहलाद सबनानी

व्यवस्थित तरीके से लड़े जाने वाले उक्त वर्णित युद्ध में रणनीतिक तंत्र का उपयोग किया जाता है।इस तंत्र के माध्यम से वैश्विक बाजारवादी शक्तियां मिलकर किसी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, नीति संरचना, मुद्रा, पूंजी प्रवाह, तकनीकि, आपूर्ति श्रृंखला, खाद्य सुरक्षा एवं सामाजिक धारणा पर लम्बे समय तक अपना प्रभाव एवं नियंत्रण स्थापित कर लेती हैं।यह युद्ध अदृश्य रूप से चलता है एवं किसी को प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देता है। यह युद्ध विभिन्न संस्थानों के माध्यम से लड़ा जाता है एवं इस युद्ध के माध्यम से किसी भी देश की शासन व्यवस्था को भी परिवर्तित किया जा सकता है।हाल ही के समय में उक्त वर्णित अदृश्य युद्ध के माध्यम से बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका आदि देशों में सत्ता परिवर्तन किया गया है। भारत में भी इस तरह के प्रयोग अदृश्य रूप से किए जा रहे हैं परंतु भारतीय नागरिकों पर इस चाल को अभी तक कोई असर नहीं हुआ है क्योंकि भारत में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे सामाजिक संगठन नागरिकों के बीच अपनी प्रभावी भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत को कम करने के भरसक प्रयास हो रहे हैं। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा भारी मात्रा में अपना निवेश लगातार निकाला जा रहा है जिससे अमेरिकी डॉलर का भारत से बाहर प्रवाह भारी मात्रा में हो रहा है और भारतीय रुपए पर दबाव बन रहा है। भारत में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात महंगे हो रहे हैं इससे अंततः भारत में मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि हो सकती है और भारत के नागरिकों में वतर्मान सत्ता के विरुद्ध असंतोष का भाव जाग सकता है। परंतु केंद्र सरकार की नीतियों के चलते अभी तक मुद्रा स्फीति की वृद्धि दर पर नियंत्रण बनाए रखने में सफलता मिली है एवं भारतीय खुदरा निवेशकों, म्यूचूअल फण्ड एवं देशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में पर्याप्त मात्रा में अपना निवेश बढ़ाया है इससे भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट को सफलतापूर्वक रोका जा सका है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा फेड रेट (अमेरिकी ब्याज दर) में वृद्धि करने से भी अमेरिकी डॉलर अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत होता है क्योंकि अमेरिका में ब्याज दरों में वृद्धि होने से वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में उभर रही अर्थव्यवस्थाओं से अमेरिकी डॉलर का निवेश निकल कर अमेरिका की ओर आकर्षित होने लगता है। इससे भी इन देशों की मुद्राओं पर दबाव निर्मित होने लगता है। अतः ब्याज दरों में वृद्धि को भी एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। तीसरे हथियार के रूप में किसी भी देश की मुद्रा को रहक्कछ जैसे भुगतान नेट्वर्क से अलग कर दिया जाना है। इस निर्णय से सम्बंधित देश की मुद्रा का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेनदेन विपरीत रूप से प्रभावित होने लगता है। जैसे रूस की मुद्रा रूबल के साथ हाल ही के समय में हुआ था। उक्त समस्त निणर्यों से किसी भी देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर किया जा सकता है इससे उस देश में उत्पादों के आयात महंगे हो सकते हैं, उस देश पर विदेशी कर्ज का भार बढ़ सकता है एवं उस देश का आर्थिक विकास प्रतिबंधित हो सकता है। यह युद्ध संरचनात्मक अधीनता पैदा करता है।

इसी तरह का दबाव कुछ देशों पर तब डाला जाता है जब वे किसी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान (विश्व बैंक, अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष, रेटिंग संस्थान) से ऋण लेने का प्रयास करते हैं। इन संस्थानों द्वारा इन देशों पर टैक्स की दरें बढ़ाने, अपने खर्चों पर नियंत्रण स्थापित करने, राजस्व सम्बंधी निणर्यों पर अपनी नीति थोपने, उस देश के ऊर्जा, बंदरगाह एवं खनन क्षेत्रों का निजीकरण करने के प्रयास करना एवं इसके मध्यम से उस देश में चुपचाप शासन परिवर्तन के प्रयास करना भी शामिल हैं। इन संस्थानों से कर्ज लेना आधुनिक गुलामी का सबसे व्यवस्थित मॉडल बन पड़ा है। इसके साथ ही, विभिन्न देशों के साथ व्यापार युद्ध भी छेड़ा जाता है। जैसे, अमेरिका द्वारा ब्रिक्स (भारत, चीन, रूस, ब्राजील) पर 500 प्रतिशत का टैरिफ लगाने के प्रयास करना भी इन देशों के विरुद्ध एक शद्म युद्ध छेड़ने जैसा ही निर्णय है। इन्हीं उपायों में कुछ देशों को निर्यात प्रतिबंधित करना भी इसी नीति का एक हिस्सा है। जैसे, अमेरिका एवं चीन द्वारा अन्य देशों को सेमीकंडक्टर, चिप एवं 5ऋ के उपकरण के निर्यात करने पर रोक लगाई गई थी ताकि प्रभावित किये जाने वाले देशों में इन तकनीकी का उपयोग असम्भव हो सके और इन देशों का विकास रुक जाए। इसी प्रकार के प्रयासों में किसी देश के कृषि क्षेत्र की नीतियों को प्रभावित कर उस देश में खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को कम करना भी शामिल है ताकि उस देश के नागरिक अपने देश की सरकार के खिलाफ उठ खड़े हों।जैसे हाल ही में अमेरिका द्वारा भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते को सम्पन्न करने के लिए भारत पर दबाव बनाया जा रहा है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दे।इससे अमेरिकी उत्पाद सस्ती दरों पर भारत में उपलब्ध हो जाएंगे एवं भारत के किसानों द्वारा उत्पादित खाद्य पदार्थ सस्ते अमेरिकी उत्पादों की स्पर्धा में टिक नहीं पाएंगे।इससे भारतीय कृषि एवं डेयरी क्षेत्र बर्बादी के कगार पर पहुंच जाएगा और भारतीय किसान, सरकार के विरुद्ध उठ खड़ा होगा। कुल मिलाकर इस तरह के प्रयास उभरती अर्थव्यवस्थाओं की उत्पादन क्षमता प्रभावित करने के लिए भी किए जाते हैं ताकि यह देश विभिन्न उत्पादों का उत्पादन अपने देश में नहीं कर सकें एवं इसके लिए अन्य देशों से आयात पर इनकी निर्भरता बढ़ जाए।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र को प्रभावित करते हुए भी कुछ देश उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को दबाव में लाने का प्रयास करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, तकनीकी आज का नया परमाणु हथियार है। आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स, क्वांटम, सेमीकंडक्टर, साइबर आदि भी आज, युद्ध के क्षेत्र बन चुके हैं। अमेरिका ने चीन को किए जाने वाले चिप के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, इससे जिन उत्पादों के निर्माण में चिप का प्रयोग होता है उन उद्योगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था।इसी प्रकार, अमेरिका द्वारा भारत पर डाटा नियंत्रण हेतु दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पैटेंट एवं लायसेंसिंग पर नियंत्रण एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की बड़ी कम्पनियों द्वारा नागरिक डाटा का दुरुपयोग किया जाना भी इसी युद्ध कला का एक हिस्सा है।पूरे विश्व में फैली कोविड महामारी के पश्चात वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला एक भूराजनैतिक हथियार बन चुकी है। उदाहरण के लिए फार्मा क्षेत्र में उपयोग होने वाले कच्चे माल को चीन नियंत्रित करता है। इसी प्रकार, मूल्यवान खनिज पदार्थों के 90 प्रतिशत भाग के उत्पादन पर चीन का कब्जा है। खाद्य तेल की आपूर्ति पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का नियंत्रण है। समुद्री मार्गों पर कुछ देशों का कब्जा है, जो कई बार इस सम्बंध में अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मानने से इंकार कर देते हैं। इस तरह के व्यवहार से तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाएं निर्भरता की कैद में धकेल दी जाती हैं।

आजकल झूठे विमर्श गढ़ने का कार्य भी बड़े जोरों पर किया जा रहा है। इसे बौद्धिक युद्ध की श्रेणी में रखा जा सकता है, जो प्रायः वैश्विक मीडिया द्वारा लड़ा जा रहा है। गैरसरकारी संस्थान (ठऋड) एवं थिंक टैंक, एक संगठित नरेटिव इको सिस्टम बनाते हैं। जैसे, भारत के संदर्भ में गढ़े जाने वाले कुछ झूठे विमर्शों में शामिल हैं - भारतीय किसान अक्षम हैं, भारत के स्थानीय बीज पोषणहीन हैं, भारत का देशी खाद्य मॉडल पिछड़ा है, ब्रिक्स राजनैतिक रूप से अस्थिर देशों का संगठन है, डीडोल्लराईजेशन एक असम्भव कार्य है।

कुल मिलाकर उक्त वर्णित शद्म युद्ध का प्रमुख उद्देश्य अन्य देशों का मानसिक एवं बौद्धिक उपनिवेशीकरण करना है। इसके अंतर्गत, इन देशों के नीति निर्धारण पर अपना आधिपत्य स्थापित करना है। इन देशों द्वारा किस प्रकार के उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा (बीज से लेकर दवा तक) एवं इसके आपूर्ति बाजार पर अपना नियंत्रण स्थापित करना है। साथ ही, देश के मुद्रा बाजार पर नियंत्रण स्थापित करना है ताकि उस देश की मुद्रा अमेरिकी डॉलर पर निर्भर हो जाए।

(ये लेखक के विचार हैं)

विशेष लेख : साहित्य उत्सव से छत्तीसगढ़ को मिलेगी नई पहचान

छगन लोन्हारे उप संचालक (जनसंपर्क विभाग)

बसंत पंचमी 23 जनवरी से नवा रायपुर के पुरखौती मुक्तांगन परिसर में तीन दिवसीय रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश भर के 100 से अधिक प्रतिष्ठित साहित्यकार शामिल हुए।इस तीन दिवसीय उत्सव से छत्तीसगढ़ को एक नई पहचान मिलेगी।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का कहना है कि छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर पूरा प्रदेश रजत महोत्सव मना रहा है। रायपुर साहित्य उत्सव उसी श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण अध्याय है।यह उत्सव न केवल छत्तीसगढ़ को बल्कि पूरे देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकारों को एक साझा मंच प्रदान करेगा।मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ को साहित्यिक जगत में एक नई पहचान प्रदान करेगा तथा जनसमुदाय को साहित्य, लेखन और पठन-पाठन की ओर प्रेरित करेगा।साहित्य महोत्सव के दौरान साहित्य विमर्श खुले संवाद, समकालीन विषयों पर विचार-विमर्श होगा।साहित्य महोत्सव को लेकर आम-लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

आज जब सोशल मीडिया के कोलाहल में ज्ञान की धारा अक्सर सूचनाओं के शोर में दब जाती है। ऐसे समय में साहित्य उत्सव एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।जहां विचार-विमर्श के बीच संवाद की संस्कृति जीवित रहती है।सृजन वही जन्म लेता है, जहां मन खुला हो और कथा वही आकार लेती हैं जहां मनुष्य अपने सत्य से संवाद करने का साहस रखता है।साहित्य महोत्सव के लोगो (डिजाइन) में अंकित ह्यह्यआदि से अनादिह्नह्न तक वाक्य साहित्य के उस अटूट यात्रा को दर्शाता है, जिसमें आदिकालीन रचनाओं से लेकर निरंतर विकसित हो रहे आधुनिक साहित्य तक सभी रूप समाहित हैं। साहित्य कालातीत है, वह समय, समाज भाषा और पीढ़ियों को जोड़कर चलने वाली निरंतर धारा है। तीन दिनों तक पुरखौती मुक्तांगन में साहित्यिक संवाद, पुस्तक विमोचन, विचार-मंथन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और कला-प्रदर्शनियों का जीवंत केंद्र बनेगा। यह आयोजन छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय साहित्यिक मानचित्र पर एक सशक्त पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रायपुर साहित्य उत्सव पूरे छत्तीसगढ़ के लिए सांस्कृतिक गर्व का विषय है क्योंकि इसमें राज्य की हजारों साल पुरानी साहित्यिक जड़े, जनजातीय परंपराएं, सामाजिक समरसता और आधुनिक रचनात्मक दृष्टि सभी का सुंदर सार्थक और कलात्मक संगम दिखाई देगा। छत्तीसगढ़ की साहित्यिक यात्रा आदि से अनादि तक अविचल, जीवंत और समृद्ध रही है, और आगे भी इसी धारा में निरंतर विकास की नई कहानियां लिखती रहेंगी। साहित्य उत्सव में कुल 11 सत्र शामिल होंगे, इनमें 5 समानांतर सत्र, 4 सामूहिक सत्र और 3 संवाद सत्र आयोजित किये जाएंगे जिनमें साहित्यकारों एवं प्रतिभागियों के बीच सीधा संवाद और विचार-विमर्श होगा। रायपुर साहित्य उत्सव साहित्य, विचार और संस्कृति के संगम का उत्सव है, इसमें युवाओं, शिक्षकों, लेखकों और आम पाठकों की सहभागिता रहेगी। नई पीढ़ी को साहित्य विचार और संस्कृति से जोड़ना इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य है।

उत्सव के दौरान पुस्तक मेला का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लगभग 40 स्टॉल लगाएं जाएंगे जिसमें देशभर के प्रतिष्ठित प्रकाशकों की पुस्तकें प्रदर्शित की जाएगी एवं विक्रय के लिए उपलब्ध रहेगी। रायपुर साहित्य उत्सव में विशेष रूप से चाणक्य नाटक का मंचन किया जाएगा जो भारतीय बौद्धिक परंपरा और नाट्य कला का प्रभावशाली उदाहरण होगा। इसके साथ ही लोकनृत्य, लोकगीत और छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दशकों को राज्य की जीवंत लोक संस्कृति से रू-ब-रू कराया जाएगा। विख्यात कवियों की उपस्थिति में कवि सम्मेलन आयोजित होगी, जहाँ उनकी सशक्त रचनाएँ श्रोताओं को साहित्यिक रसास्वादन कराएँगी। साथ ही पत्रकारों, विचारकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ खुले संवाद सत्र आयोजित किए जाएँगे, जिनमें समकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक विषयों पर सार्थक चर्चा होगी।

यह आयोजन छत्तीसगढ़ की साहित्यिक चेतना, विचार परंपरा और सांस्कृतिक आत्मा को राष्ट्रीय संवाद से जोड़ने की एक सशक्त पहल के रूप में उभर रहा है। रायपुर साहित्य उत्सव 2026 न केवल लेखकों और पाठकों के बीच सेतु बनेगा, बल्कि नई पीढ़ी को साहित्य, संस्कृति और विचार के प्रति संवेदनशील बनाने का भी माध्यम बनेगा। साहित्यिक विमर्श, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक विविधता से समृद्ध यह तीन दिवसीय उत्सव नवा रायपुर को देश के प्रमुख साहित्यिक केंद्रों की श्रेणी में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और यादगार अध्याय सिद्ध होगा।

छत्तीसगढ़ की साहित्यिक आत्मा और लोक स्मृति में बसे भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल की एक रचना -

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था,
मैं व्यक्ति को नहीं,
हताशा को जानता था,
हम दोनों साथ चले,
साथ चलने को जानते थें

यही वह साहित्य है जो मनुष्य को धैर्य देता और साथ चलने की सभ्यता सिखाता है।

ममता को केंद्र सरकार से टकराने का बहाना चाहिए

पश्चिम बंगाल देश के लिए ऐसा राजनीतिक अखाड़ा बन चुका है। इससे होने वाले राष्ट्रव्यापी नुकसान की ममता बनर्जी सरकार को परवाह नहीं है। ममता बनर्जी का तौर–तरीका ऐसा बन चुका है मानो पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा नहीं होकर एक स्वतंत्र देश हो।

ममता किसी न किसी मुद्दे पर केंद्र सरकार से टकराती रही हैं। एक भी मौका केंद्र से टकराव का नहीं छोड़ती है और फिर खुद ही लोकतंत्र खतरे में है का नारा देकर सिर पर आसमान उठा लेती है। नया मामला प्रवर्तन निदेशालय के छापे की कारर्वाई का है। ईडी ने पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था। सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट पहुंच गई। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं।

ममता बनर्जी ने आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कराई। ममता बनर्जी ने ईडी की छापेमारी के खिलाफ कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस समथर्कों के साथ विरोध मार्च निकाला। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि ईडी चुनाव से पहले उनकी पाटी तृणमूल कांग्रेस के संवेदनशील दस्तावेज जब्त कर राजनीतिक प्रतिशोध कर रही है। पुलिस ने ममता बनर्जी की शिकायत पर ईडी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर औपचारिक जांच शुरू कर दी। यह मुद्दा कलकत्ता हाईकोर्ट तक गया।

कलकत्ता हाइकोर्ट ने रेड मामले में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी। पार्टी ने आरोप लगाया था कि जांच एजेंसी ईडी ने आईटी हेड प्रतीक जैन के ऑफिस पर रेड मारकर कुछ कागजात जब्त किए थे। एजेंसी का कहना था कि पार्टी दफ्तर से कुछ भी जब्त नहीं किया है। कोर्ट ने कहा, जब ईडी ने कुछ भी जब्त न करने की बात की है, तो अब इस मामले पर सुनवाई के लिए कुछ नहीं बचता है। याचिका को खारिज कर दी। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिट याचिका दायर कर भारतीय न्याय संहिता के तहत 17 अपराधों की सीबीआई जांच की मांग की। याचिका में ईडी ने आरोप लगाया है कि सीएम ममता बनर्जी, राज्य के डीजीपी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर ने ईडी की रेड में न सिर्फ बाधा डाली बल्कि अधिकारियों को डरा-धमकाकर सबूतों से छेड़छाड़ की। ममता सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि यह मामला चुनावों के बीच उठाया गया है और इससे राजनीतिक माहौल प्रभावित हो सकता है।

ईडी चुनावी डेटा चुराने की कोशिश कर रही है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सवाल किया, ह्लक्या लॉर्डशिप को लगता है कि हाईकोर्ट न्याय नहीं कर सकता? इस पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा, ह्लकृपया हमारे मुंह में शब्द न डालें। सुनवाई के दौरान अदालत ने इस मामले को ह्लगंभीरह्व करार दिया। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ह्लयह एक गंभीर मामला है। हम इस पर परीक्षण करेंगे। अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी करने का संकेत दिया। ममता बनर्जी की केंद्र सरकार से टकराने की फेहरिस्त काफी लंबी है। इसका नमूना कोरोना महामारी में केंद्र के साथ टकराव, अम्फन तूफान को लेकर गृह मंत्री के साथ झगड़ा शामिल है। इस क्रम में बंगाली प्रवासी मजदूरों को लेकर केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव को कौन भूल सकता है। बंगाल की सीमा पर नेपाल, बांग्लादेश और भूटान से आने वाले ट्रकों को लेकर भी केंद्र और बंगाल सरकार के बीच टकराव हुआ था। हुगली के तेलिनीपाड़ा में हुए दंगे को लेकर सोशल मीडिया में सवाल उठाने पर बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और आईटी सेल प्रभारी अमित मालवीय के खिलाफ हुई रिपोर्ट पर राज्य पुलिस ने सांसद अर्जुन सिंह और लॉकेट बनर्जी समेत कई नेताओं पर मामले दर्ज कर एक और टकराव को जन्म दिया था।

टकराव की इस कड़ी में नया मामला पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति का है।राज्य के मौजूदा डीजीपी राजीव कुमार का कार्यकाल इसी महीने 31 जनवरी को खत्म हो रहा है। यूपीएससी ने ममता सरकार को एक बहुत बड़ा झटका दिया। आयोग ने राज्य सरकार द्वारा भेजी गई आईपीएस अधिकारियों की लिस्ट को वापस लौटा दिया। यूपीएससी ने राज्य सरकार की सिफारिश को तकनीकी और कानूनी आधार पर रिजेक्ट कर दिया। दरअसल राज्य सरकार ने नए डीजीपी के चयन के लिए कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भेजे थे। लेकिन आयोग ने इस लिस्ट पर विचार करने से ही इनकार कर दिया। यूपीएससी का कहना है कि पुरानी प्रक्रियाओं में कई खामियां छोड़ी गई थीं। इसके चलते वर्तमान नियुक्ति प्रक्रिया को सही नहीं माना जा सकता है। नियमों के मुताबिक सरकार को एक तय समय सीमा के भीतर यह लिस्ट भेजनी चाहिए थी। यूपीएससी ने साफ तौर पर कहा है कि सरकार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से परमिशन लेनी चाहिए। अब यह मामला कानूनी पेचीदगियों में बुरी तरह फंसता नजर आ रहा है। सरकार के सामने अब कोर्ट जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा।

गौरतलब है कि पूर्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री आगवानी तक के लिए नहीं आई और ना ही बैठक में शामिल हुई। पीएम का दौरा तूफान यास से हुए नुकसान का आकलन करना था। ओडिशा और बंगाल का दौरा तय हो जाने के बाद, दोनों मुख्यमंत्रियों को साथ ही समय बताया गया था। लेकिन ओडिशा ने उस कार्यक्रम के सभी प्रोटोक्रॉल का पालन किया जबकि वो पीएम के बंगाल के दौरे से पहले था। ममता बनर्जी का आरोप था कि उन्हें पीएम मोदी का इंतजार करना पड़ा। जबकि पीएम को ही ममता का इंतजार करना पड़ा। पीएम के इंतजार करने की बात तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद के ट्वीट से भी पुख्ता हुई थी। ममता बनर्जी अपने हेलीकॉप्टर से उतरकर बैठक की जगह पहुंची जो कि हेलीपैड से सिर्फ 500 मीटर दूर था। पीएम से मिलकर वो 14.35 पर वापस भी चली गयीं। इसलिए वो सिर्फ 500 मीटर चलीं और 25 मिनट में वापस चली गईं। उनका पहले वापस जाना भी प्रोटोकॉल के खिलाफ था। इसलिए बंगाल सरकार का ये दावा गलत है कि ममता ने इंतजार किया बल्कि इसके उलट पीएम को ही इंतजार करना पड़ा था।

केंद्र के साथ ममता के टकराव में बड़ा पेंच शारदा चिटफंड घोटाले ने भी बढ़ाया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जांच कर रही सीबीआई के अधिकारी तत्कालीन कोलकाता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार से पूछताछ के लिए पश्चिम बंगाल पहुंची थी और उसे राज्य पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पहले सीबीआई अधिकारियों को पुलिस कमिश्नर के घर घुसने नहीं दिया गया और फिर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई अधिकारियों की गिरफ्तारी के बाद खुद सीएम ममता बनर्जी पुलिस कमिश्नर के घर पहुंचकर धरने पर बैठ गईं। शारदा चिट फंड घोटाले की जांच का नेतृत्व कर रहे तत्कालीन कोलकाता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार पर सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप था और इसी मामले में पूछताछ करने सीबीआई वहां पहुंची थी। वर्ष 2021 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और बंगाल बीजेपी प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय प्रदेश का दौरा कर रहे थे कि अचानक उनके काफिले पर पत्थरबाजी की घटना सामने आई।

इस पर तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने बंगाल की ममता सरकार को आड़े हाथ लिया था। दूसरे राज्यों में भी गैरभाजपा सरकारें हैं, किन्तु जिस तरह का विरोध ममता सरकार की तरफ से केंद्र का किया जाता रहा है, उससे साफ जाहिर है कि संविधान में मौजद केंद्र के अधिकारों की उसे परवाह नहीं है। ममता का विरोध ज्यादातर मुद्दों पर कानूनी कम और राजनीतिक ज्यादा नजर आता है।

फोकस

श्रीमद भागवत कथा कल से

उपरवाह। गोपालपुर में ग्रामवासियों के सहयोग से नौ दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन 27 जनवरी से 4 फरवरी तक किया गया है। कथा प्रति दिन दोपहर एक चजे से प्रारंभ होगी। लीला मंच में आयोजित इस महापुराण ज्ञान यज्ञ में कथावाचक पं. वासुदेव प्रसाद तिवारी कौंद केरा (राजिम) गरियाबंद होंगे। कार्यक्रम 27 जनवरी को कलश शोभा यात्रा, गौकरण पूजा भागवत स्थापना, बेदी पूजा, 28 को कथा आरंभ होगी।

उरला में मजदूर कार्ड बनाने के लिए शिविर 28 को

दुर्ग। उरला के बीडी कालोनी में 28 जनवरी को सुबह 10 से शाम 4 बजे तक एकदिवसीय मजदूर कार्ड निर्माण और नवीनीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों और अन्य नागरिकों के आधारकार्ड निर्माण व संशोधन शिविर, पोस्ट आफिस के खातों खुलवाने का कार्य हो पाएगा।

केबल बिछाने वालों ने फोड़ी निगम की पाइप लाइन

दुर्ग। निगम प्रशासन ने शुक्रवार को एक निजी टेलीकॉम कंपनी के खिलाफ कारवाई की। कंपनी बिना पूर्व जानकारी दिए केबल बिछाने का काम कर रही थी। इसी दौरान निगम की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही महापौर अलका बाघमार और आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर निगम अमले ने काम तत्काल बंद करवाते हुए मौके से केबल जब्त कर लिया।

सोसाइटी में नाबालिग को बनाया पदाधिकारी

दुर्ग। वाणी एजुकेशन एंड सोशल बेलफेयर सोसायटी में एक नाबालिग को पदाधिकारी एवं एक मृत महिला की सदस्य बनाने की शिकायत की गई है। एसपी को दी गई शिकायत के मुताबिक सोसायटी में 17 साल की किशोरी को उपाध्यक्ष बना दिया गया। इसके अलावा मृत महिला को भी सोसायटी का सदस्य बना दिया गया। सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर कर संस्था चलाई जा रही है।

अपने धर्म को जानने भागवत गीता, रामायण पढ़ें: शास्त्री

उपरवाह। ग्राम हरडुवा में डॉ. रोहितलाल वर्मा व परिवार के द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा के व्यासपीठ से आचार्य रामप्रताप शास्त्री महाराज (कोविद) ने शनिवार को श्रीकृष्णण की बाल लीलाओं का वर्णन किया। कहा कि परमात्मा की प्राति सच्चे प्रेम के द्वारा ही संभव हो सकती है। पूतना चरित्र का वर्णन करते हुए महाराज ने बताया कि पुतना राक्षसी ने चालकृष्ण को उठा लिया और स्तनपान कराने लगी। श्रीकृष्ण ने स्तनपान करते-करते ही पुतना का वध कर उसका कल्याण किया। माता यशोदा जव भगवान श्रीकृष्ण को पूतना के वक्षस्थल से उठाकर लाती है उसके बाद पंचगव्य गाय के गोब, गोमूत्र से भगवान को खान कराती है। सभी को गौ माता की सेवा, अवश्य करना चाहिए। गाय की सेवा से 33 कोटि देवी देवताओं की सेवा हो जाती है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर निगम कमियों ने लिया संकल्प

रिसाली। राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर नगर पालिक निगम रिसाली ने कार्यक्रम का आयोजन किया। रविवार को आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर कायर्पालन अभियंता सुनील दुबे ने कमर्चारियों को संकल्प दिलाया। नियमित और प्लेसमेंट कमर्चारियों ने निर्भिक और बिना प्रभाव में आकर मतदान करने की शपथ ली। इस अवसर पर इंजीनियर अखिलेश गुप्ता, जयंत शर्मा, रेवती रमन , धर्मेंद्र मिश्रा, गोपाल सिन्हा, रवि श्रीवास्तव, योगेश सुरे, महेश टंडन, अखिलेश वर्मा, विवेक रंगनाथ आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन चंद्रपाल हरमुख ने किया।

भिलाई इस्पात संयंत्र में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

भिलाई। सेल भिलाई इस्पात संयंत्र में 26 जनवरी 2026 को 77वाँ गणतंत्र दिवस परंपरागत गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। जयंती स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। विशेष अतिथि सीआईएसएफ उपमहानिरीक्षक नागेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने परेड की सलामी ली। मार्च-पास्ट में सीआईएसएफ, एनसीसी, अग्निशमन दल एवं खिलाड़ियों की टुकड़ियों ने भाग लिया। श्री महापात्र ने अपने संबोधन में सुरक्षा, उत्पादन और सतत विकास पर जोर दिया। स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं। संयंत्र के विभिन्न विभागों एवं चिकित्सालय में भी ध्वजारोहण किया गया।

भिलाई बना सड़क सुरक्षा का मॉडल शहर, तीसरे साल भी ट्रक ट्रेलर एसोसिएशन का ऐतिहासिक अभियान

250 ड्राइवरों की जांच, 100 से ज्यादा का रक्तदान, 600 से अधिक को हेलमेट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जब देशभर में सड़क दुर्घटनाएँ चिंता का विषय बनी हुई हैं, ऐसे समय में भिलाई ने सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में मिसाल कायम की है। भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन, दुर्ग परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में लगातार तीसरे वर्ष आयोजित सड़क सुरक्षा माह जागरूकता अभियान ने जनभागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी का नया उदाहरण पेश किया है।

खुर्सीपार स्थित एसोसिएशन कार्यालय में आयोजित इस भव्य अभियान में सैकड़ों ड्राइवरों और नागरिकों की सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम के अंतर्गत 250 से अधिक चालकों की स्वास्थ्य जांच, 150 लोगों की नेत्र जांच, 100 से अधिक का रक्तदान तथा 600 से अधिक नागरिकों को हेलमेट वितरण किया गया।

प्रशासन व समाज साथ में

इस अभियान में अतिरिक्त परिवहन आयुक्त यू.बी.एस. चौहान, आरटीओ एस. लकड़ा, एएसपी सुखनंदन राठौर, डीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में ठोस बदलाव संभव है।

'सड़क सुरक्षा सिर्फ नियम नहीं, जीवन रक्षा है' – इंद्रजीत

एसोसिएशन अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने कहा– सड़क सुरक्षा किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक का कर्तव्य है। जब तक हम खुद जागरूक नहीं होंगे, तब तक बदलाव संभव नहीं। उन्होंने इसे जनआंदोलन का रूप देने की अपील की।

नुक्कड़ नाटक से गूंजा 'सुरक्षित सफर' का संदेश

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया, जिसने तेज रफ्तार, नशे में ड्राइविंग और लापरवाही के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से उजागर किया। नाटक ने दशर्कों को भावनात्मक रूप से झकझोरते हुए नियमों के पालन का संकल्प दिलाया।

भिलाई बना उदाहरण

कार्यक्रम का संचालन महासचिव मलकीत सिंह ने किया। बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टर्स, ड्राइवर, सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिकों की मौजूदगी ने यह साबित कर दिया कि भिलाई अब सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में मॉडल शहर की ओर बढ़ रहा है। लगातार तीसरे वर्ष सफल आयोजन ने यह संदेश दिया है कि यदि प्रशासन, समाज और संगठन मिलकर काम करें, तो दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव है।

लोगों को यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर के राजेन्द्र पार्क चौक, ग्रीन चौक एवं सिविक सेंटर भिलाई में आयोजन हुआ। यातायात नियमों का पालन करने वाले नागरिकों को गुलाब भेंट कर किया गया सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत दुर्ग पुलिस द्वारा लगातार आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु विविध गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

इसी क्रम में दुर्ग पुलिस द्वारा एक अभिनव एवं प्रभावी पहल के तहत कठपुतली कला के माध्यम से आमजनों को यातायात नियमों के महत्व, हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग, गति सीमा के पालन सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित वाहन संचालन के संबंध में जागरूक किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम दुर्ग के राजेन्द्र पार्क चौक, ग्रीन चौक तथा भिलाई नगर के सिविक सेंटर में आयोजित किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में नागरिकों ने कार्यक्रम को देखा और सराहा।

कार्यक्रम के दौरान यातायात नियमों का पालन करने वाले नागरिकों को गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित किया गया, जिससे आमजन में सकारात्मक संदेश गया एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता को बढावा मिला।

दुर्ग पुलिस द्वारा भविष्य में भी सड़क सुरक्षा को लेकर ऐसे ही जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे। मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों में कमी लाकर जान माल की सुरक्षा करना है।

इस्पात नगरी के लेखक का "भिलाई जिंदाबाद" पुस्तक का विमोचन किया फिल्मकार बसु ने

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इस्पात नगरी भिलाई के लेखक व पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन की नई किताब "भिलाई जिंदाबाद कुछ किस्से-कहानियां" का विमोचन फिल्मकार अनुराग बसु ने रविवार को किया किया। राजधानी नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित साहित्य उत्सव के समापन समारोह में अनुराग ने यह विमोचन किया। उन्होंने इस्पात नगरी भिलाई पर आधारित रोचक सामग्री को सराहा और लेखक को अपनी शुभकामनाएं दी।

उल्लेखनीय है कि वैभव प्रकाशन नई दिल्ली-रायपुर से प्रकाशित इस किताब में इस्पात नगरी भिलाई के स्थापना काल से अब तक के प्रमुख व रोचक घटनाक्रम को लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने कलमबद्ध किया है। इसके पूर्व लेखक की "भिलाई एक मिसाल" और "वोल्गा से शिवनाथ तक" किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं, जो इस्पात नगरी भिलाई के इतिहास पर केंद्रित है।

"भिलाई जिंदाबाद.." में क्या खास है ?

इस्पात नगरी भिलाई के निर्माण काल से अब तक कुछ रोचक और हैरतअंगेज घटनाक्रमों को लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने अपनी इस किताब में दर्ज किया है। इनमें अतिविशिष्ट लोगों के इस्पात नगरी आगमन से लेकर ऐसे बहुत से तनाव भरे दिन और हादसों का भी विस्तार से उल्लेख है जिन्होंने भिलाई को कई बार झकझोर दिया। इसके साथ ही विदेश में भिलाई का परचम फहराने वाली कुछ हस्तियों का भी जिक्र है।

रक्तदान के लिए भी आगे आए सर्व कल्याण समाज के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला चिकित्सालय दुर्ग स्थित ब्लड बैंक में आयोजित वृहद रक्तदान शिविर एवं रक्तदान जनजागरूकता कार्यक्रम में हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह जी विशेष रूप से शामिल हुए।

उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और इससे जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाया जा सकता है। श्री सिंह ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और समाज के हर स्वस्थ व्यक्ति से नियमित रक्तदान करने की अपील की। इस अवसर पर समिति के महासचिव मलकीत सिंह, उपाध्यक्ष जोगा राव, कार्यक्रम समन्वयक जीवनलाल ताम्रकार, तरूपेष शर्मा एवं तरुण आड़तिया भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर मानव सेवा की मिसाल पेश की।

रन फॉर सेल : बेस्ट टाइमिंग के साथ आलोक व अवि बने विजेता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड-सेल के स्थापना दिवस (24 जनवरी) को सेल की सभी इकाइयों में भव्य रूप से मनाया जाता है। 24 जनवरी 2026 को जयंती स्टेडियम, इंदिरा प्लेस में 5 किमी पैदल चाल/दौड़ का आयोजन प्रातः 8:00 बजे से किया गया, जो जयंती स्टेडियम से प्रारम्भ होकर टीए बिल्डिंग, पोस्ट ऑफिस, मिराज सिनेमा, भिलाई निवास, चोपड़ा पेट्रोल पम्प होते हुए वापस जयंती स्टेडियम में समाप्त हुआ। इस दौड़ में भाग लेने हेतु लगभग 3000 की संख्या में प्रतिभागी उपस्थित हुए थे। प्रतियोगिता में सेल कमर्चारी एवं उनके परिवार के सदस्य तथा सेल द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं ने भाग लिया था।

रन फॉर सेल के प्रतिभागियों को भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सेल की झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अजय कुमार चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) प्रवीन निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ)

विजेताओं को मिलेगा नगद ईनाम

इस प्रतियोगिता में आलोक कुमार ने बेस्ट क्लॉकिंग टाइम (टाइमिंग-15 मिनट 32.00 सेकण्ड) दर्ज करते हुए पुरुष समूह में ओवरआल विजेता का खिताब प्राप्त किया एवं श्रीमती प्रगति प्रसाद ने बेस्ट क्लॉकिंग टाइम (टाइमिंग-20 मिनट 54.99 सेकण्ड) दर्ज करते हुए महिला समूह से ओवरआल विजेता का खिताब प्राप्त किया। गौरतलब है कि सभी सेल इकाइयों में सर्वश्रेष्ठ टाइमिंग के लिए एक धावक और धाविका को 5000 रूपये नगद पुरस्कार तथा सभी सेल इकाइयों में सर्वश्रेष्ठ टाइमिंग के लिए 6वीं कक्षा तक के छात्र एवं छात्रा को 3000 रूपये नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

प्रबीर कुमार सरकार, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान), सीएमएलओ कमल भास्कर एवं कायर्पालक निदेशक (रावघाट), सीएमएलओ अरुण कुमार सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं महाप्रबंधकगण संयंत्र के क्रीड़ा सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र सहित कार्यपालक निदेशकों द्वारा इस प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरुस्कृत किया गया। दौड़ के पहले उप महाप्रबंधक (क्रीड़ा सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ) राजेंद्र प्रसाद ने स्वस्थ जीवनशैली हेतु सभी को शपथ दिलाई।

इस प्रतियोगिता हेतु, सेल निगमित कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा तय मापदंड के आधार पर श्रेणियां निर्धारित की गई थी। महिला एवं पुरुष वर्ग के श्रेणी अ में कक्षा छठवीं तक के बच्चे, श्रेणी ब में कक्षा सातवीं से बारहवीं तक के बच्चे, श्रेणी स में बारहवीं से ऊपर 45 वर्ष तक के, श्रेणी द में 46 वर्ष से 60 वर्ष तक तथा श्रेणी उ में भूतपूर्व कमर्चारियों (सेवानिवृत्त) ने भाग लिया। संचालन सुप्रियो सेन द्वारा किया गया।

मतदाता दिवस: बीएलओ व नव मतदाताओं का किया गया सम्मान

संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने दिलाई मतदाता शपथ

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कला मंदिर सिविक सेंटर भिलाई में किया गया। कार्यक्रम में संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कमर्चारियों एवं बड़ी संख्या में मौजूद विद्यार्थियों को मतदाता शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान नवीन मतदाताओं द्वारा अधिकारियों को प्रतीकात्मक रूप से बैच लगाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संभागायुक्त श्री राठौर ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य देश में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाकर लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाना है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है जब प्रत्येक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करे। एक-एक वोट देश की दिशा तय करता है, इसलिए जागरूक होकर ऐसे प्रतिनिधियों का चयन करें जो देश को विकास और प्रगति के पथ पर ले जाएं। उन्होंने बताया कि वतर्मान में मतदाता सूची का शुद्धिकरण किया जा रहा है तथा पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा जा रहा है। जिन नागरिकों का नाम मतदाता सूची में नहीं है, वे फार्म-6 के माध्यम से ऑफलाइन या ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। साथ ही युवाओं से अपील की गई कि वे स्वयं के साथ-साथ अपने मित्रों और पड़ोसियों को भी मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सभी बीएलओ को बधाई दी।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह ने एसआईआर 2026 के दौरान शत-प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ की सराहना की।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर 2026) के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के 18 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। जिले के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से चयनित तीन-तीन बीएलओ को प्रशस्ति पत्र एवं 5000 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। सम्मानित बीएलओ में विधानसभा क्षेत्र 62 पाटन से श्रीमती निमर्ला बघेल, सुश्री चमेली साहू एवं नेपाल यादव; 63 दुर्ग ग्रामीण से श्रीमती सुनीता चन्द्राकर, श्रीमती हिमानी देवांगन एवं श्रीमती जयन्ती; 64 दुर्ग शहर से श्रीमती मधु नामदेव, श्रीमती योगिता कनौजे एवं श्रीमती सरिता साहू; 65 भिलाई नगर से खिलेश दास, श्रीमती सरस्वती साहू एवं श्रीमती यशोदा साहू; 66 वैशाली नगर से अनुज श्रीवास्तव, भागवती निर्मलकर एवं श्रीमती अंजना शर्मा तथा 67 अहिवारा से श्रीमती संतोषी साहू, श्रीमती सुशीला वर्मा एवं योगमाया वर्मा शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, वनमंडलाधिकारी दीपेश कपिल, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी, एसडीएम हितेश पिस्दा व उत्तम ध्रुव सहित स्कूल, कॉलेज, एनसीसी, स्काउट-गाइड के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

निर्वाचन संबंधी कार्यों के लिए मिला सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के अवसर पर रायपुर में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता एवं निर्वाचन कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों को सम्मानित किया गया। इस क्रम में राज्य के दुर्ग जिले का चयन प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण श्रेणी के अंतर्गत राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह सम्मान दुर्ग जिले को निर्वाचन संबंधी कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि महाविद्यालय परिसर, रायपुर स्थित विवेकानंद सभागार में किया गया, जिसमें दुर्ग जिले की ओर से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने सम्मान ग्रहण किया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

गांधी टॉक्स में काम करना चुनौतीपूर्ण और रोमांचक : अदिति राव हैदरी

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपनी अपकमिंग साइलेंट फिल्म गांधी टॉक्स' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि फिल्म में काम करने का अनुभव चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों रहा। उन्होंने फिल्म में विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को शानदार बताया। किशोर पांडुरंग बेलेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अदिति ने कहा कि यह उनके लिए पहली बार विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला। हालांकि पहले भी कई प्रोजेक्ट्स में दोनों साथ आने वाले थे, लेकिन किसी न किसी कारण से वे पूरे नहीं हो पाए।

अदिति ने बताया, हम कुछ फिल्मों में लगभग साथ काम करने वाले थे, लेकिन हर बार कुछ न कुछ हो गया और बात आगे नहीं बढ़ पाई। यह जिंक्स टूटना ही था। मुझे खुशी है कि ये एक बहुत अलग और खास फिल्म गांधी टॉक्स' के साथ पूरा हुआ।

उन्होंने इस फिल्म को अपनी जिंदगी के सबसे अनोखे प्रोजेक्ट में से एक करार दिया। फिल्म पूरी तरह साइलेंट है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं हैं। अदिति ने कहा, इस फिल्म में आप बस शांत रहते हैं, देखते हैं और महसूस करते हैं। बिना डायलॉग के भी भावनाएं जाहिर करनी होती हैं, यही इसकी खूबसूरती है। यह मेरे लिए जितना चुनौतीपूर्ण था, उतनी ही रोमांचक भी।

अदिति हमेशा गहरे, सच्चे और अर्थपूर्ण किरदारों वाली कहानियां चुनती हैं। उन्होंने कहा कि मेरे अंदर का पांच साल का बच्चा आज भी जिंदा है, जो सपने देखता है, उन पर भरोसा करता है और उन्हें पूरा करने की कोशिश करता है। यही सकारात्मक सोच उन्हें सही स्क्रिप्ट्स और निर्देशकों का इंतजार करने की ताकत देती है।

उन्होंने कहा, मुझे अच्छी स्क्रिप्ट्स अक्सर नहीं मिलतीं, लेकिन मैं उनका इंतजार करती हूं और उन निर्देशकों का भी, जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं शिकायत नहीं करती, क्योंकि वो मौके आखिरकार आते ही हैं।

फिल्म में अदिति राव हैदरी के साथ विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि फिल्म के संगीत को एआर रहमान ने तैयार किया है। फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होगी।

गांधी टॉक्स' के अलावा अदिति की एक और रोमांचक प्रोजेक्ट इम्तियाज अली की ओ साथी रे' है, जो एक रोमांटिक ड्रामा सीरीज है। इसमें उनके साथ अर्जुन रामपाल और अविनाश तिवारी नजर आएंगे। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर आने वाली है और समकालीन समय में पुरानी भावनाओं वाले प्यार की कहानी कहती है।

सिकंदर' की असफलता पर रश्मिका मंदाना ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'जो हुआ वो बिल्कुल...'

रश्मिका मंदाना ने एआर मुरुगाडोस द्वारा निर्देशित फिल्म 'सिकंदर' में सलमान खान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर की थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में रश्मिका ने सिकंदर की असफलता के बारे में खुलकर बात की और इसके कम बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के पीछे का असली कारण बताया।

रश्मिका मंदाना ने 2025 में 'छावा', 'द गर्लफ्रेंड', और 'थामा' जैसी हिट फिल्में दीं, जिससे वह और सलमान खान दोनों काफी सफल हुए। लेकिन एक फिल्म ऐसी भी थी, जिसने दोनों का दिल तोड़ दिया। यह फिल्म थी 'सिकंदर', जिसे एआर मुरुगादोस ने बनाया। रश्मिका इस में सलमान खान के साथ मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म ईद 2025 में रिलीज हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई। 'सिकंदर' की असफलता पर रश्मिका ने अपनी राय पेश की है।

'सिकंदर' की असफलता पर रश्मिका की दो टूक

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म 'सिकंदर' फ्लॉप होने का मुख्य कारण क्या था। उन्होंने कहा कि जब उन्हें 'सिकंदर' की स्क्रिप्ट सुनाई गई थी, तब वह बहुत अच्छी लगी, लेकिन बाद में फिल्म बनते समय कई चीजें बदल गईं, जैसे कि अभिनय, एडिटिंग और रिलीज के समय के हिसाब से कहानी अलग हो गई। रश्मिका ने कहा, 'फिल्मों में ऐसा आमतौर पर होता है। जो सुना जाता है, वह अलग होता है और बनने के बाद और अलग हो जाता है।'

रश्मिका के आने वाले प्रोजेक्ट्स

अब रश्मिका शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे तेलुगु फिल्म 'मैसा' में भी काम कर रही हैं। इसके अलावा, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका फरवरी 2026 में अपने बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा से शादी करने वाली हैं, लेकिन इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अजय देवगन ने की एआई निर्मित फिल्म 'बाल तन्हाजी' की घोषणा, नई तरह से देखने को मिलेगी कहानी

अजय देवगन साल 2020 में आई अपनी सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी: द अनसंग' वॉरियर की कहानी एक बार फिर लेकर आ रहे हैं। हालांकि, इस बार ये कहानी एक नए अंदाज में पेश की जाएगी। क्योंकि अजय देवगन और निर्माता दानिश देवगन ने अपने लेंस वॉल्ट स्टूडियोज (एलवीएस) के तहत आई निर्मित फिल्म 'बाल तन्हाजी' की घोषणा की है।

अनछुए पहलुओं को दिखाएगी फिल्म

2020 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'तन्हाजी: द अनसंग वॉरियर' की ही दुनिया पर आधारित 'बाल तन्हाजी' इस फिल्म की दुनिया को अनछुए पहलुओं की ओर ले जाएगी। यह एक एआई फिल्म होगी। यह कहानी को एक ऐसी पीढ़ी के लिए नए सिरे से प्रस्तुत करेगी, जो सिनेमाघरों से परे कहानियों में रुचि रखती है।

इस मौके पर अजय देवगन ने कहा कि यह फिल्म स्टूडियो के भविष्य के लिए तैयार प्रोजेक्ट्स के निर्माण की दिशा में पहली शुरुआत है। लेंस वॉल्ट स्टूडियो की स्थापना कहानी कहने की पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए की गई थी। हमारा ध्यान उन फॉर्मेट और मीडियम पर है, जो अभी तक काफी हद तक अनछुए हैं। 'बाल तन्हाजी' भविष्य के लिए तैयार कंटेंट निर्माण की इस यात्रा की शुरुआत है।

मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी है 'तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर'

साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म 'तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर' का निर्देशन ओम राउत ने किया है। जबकि

फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 17वीं सदी के मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी पर आधारित है। फिल्म में काजोल ने तान्हाजी की पत्नी सावित्रीबाई की भूमिका निभाई है। जबकि सैफअली खान फिल्म में निगेटिव किरदार में नजर आए हैं। उन्होंने महाराजा उदयभान सिंह राठौर की भूमिका निभाई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

लीजा रे ने आखिर क्यों बनाई थी बॉलीवुड से दूरी 25 साल बाद एक्ट्रेस ने खोला राज

बॉलीवुड अभिनेत्री लीजा रे ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की और फिर 1994 में फिल्म हंसते खेलते से एक्टिंग में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें कसूर, बॉलीवुड/हॉलीवुड और 2005 में ऑस्कर नामांकित वॉटर शामिल हैं। उनकी इमेज हमेशा ग्लैमरस और दमदार अदाकारा की रही, लेकिन 2001 में अपने करियर के सबसे ऊंचे मुकाम पर उन्होंने अचानक बॉलीवुड से दूरी बना ली। उन्होंने अब अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि आखिर उन्होंने ऐसा फैसला क्यों लिया था।

इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए लीजा रे ने कहा कि वह खुद को इंडस्ट्री में उस तरह नहीं देख पा रही थीं, जैसे वह वास्तव में थीं। उन्होंने कहा, मुझे सिर्फ सुंदर मॉडल के रूप में देखा जा रहा था। इन सब में उनकी असली आवाज और व्यक्तित्व दबा दिया गया था। इस दौरान मेरे पास कई फिल्मों के ऑफर थे, लेकिन मैंने प्रसिद्धि के बजाय खुद को जानने और समझने के लिए समय देना चुना।

उन्होंने कहा, अपने ब्रेक के दौरान मैं लंदन चली गई और वहां एक कॉलेज में रहकर शेक्सपियर और कविता का अध्ययन किया। मैंने म्यूजियम और कला के बीच समय बिताया और बौद्ध धर्म-योग के बारे में जाना। मैंने लोगों की नजरों में दिखने के बजाय अपना जीवन सीखने, आत्मा और जिज्ञासा पर आधारित बनाने की कोशिश की। इस गहन आत्म-खोज के बाद लीजा ने इंडिपेंडेंट फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया।

उन्होंने कहा, उस वक्त फिल्में आमतौर पर कम बजट में बनती थीं, लेकिन मेरा मकसद केवल पैसा कमाना नहीं था। मैं विश्वास और उम्मीद के साथ फिल्में बनाती थीं। यह मेरे लिए खुद को जानने और समझने का एक अवसर था। मेरी फिल्मों में हल्की-फुल्की और गंभीर दोनों प्रकार की फिल्में शामिल थीं। इनमें हर किरदार के माध्यम से मुझे अपने व्यक्तित्व की खोज करने में मजा आया।

पुरानी तस्वीरों और फिल्मों के बारे में बात करते हुए लीजा ने कहा, भले ही वे मुझे अपनी पुरानी सुंदरता की याद दिलाती हैं, लेकिन मेरा असली मकसद कभी भी फेम या सुंदर दिखने का नहीं था। मेरे लिए असली काम जीवन में गहराई लाने, अर्थ खोजने और लोगों की बाहरी उम्मीदों का बोझ हटाने का था। समय ने मुझे मिटाया नहीं, बल्कि मेरे असली होने को उजागर किया। यह सफर मेरे लिए अपने आप को समझने और अपनाने का अनुभव साबित हुआ।

सीधे त्वचा पर ही लगा लेते हैं परफ्यूम? ऐसे करने से हो सकती हैं ये परेशानियां

पुरुष हों या महिलाएं, परफ्यूम हर किसी के श्रृंगार का हिस्सा रहता है। इसे लगाने से न केवल शरीर महक उठता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है। परफ्यूम को हमेशा कपड़ों पर लगाया जाता है। हालांकि, कई लोग इसे सीधे त्वचा पर लगाने की गलती कर बैठते हैं। ऐसा करने से आपको कई परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको त्वचा पर परफ्यूम लगाने के नुकसानों के बारे में बताएंगे।

एलर्जी

परफ्यूम कई तरह के रसायनों को मिलाकर बनाए जाते हैं। जब ये रसायन त्वचा के संपर्क में आते हैं तो एलर्जी पैदा होने का खतरा रहता है। परफ्यूम में शामिल लिनलू, लिमोनीन और बेंजाइल अल्कोहल जैसे रसायनों की वजह से लाल चकते होने लगते हैं। कुछ लोगों को इसके कारण सूजन, मुंहासे, लालपन और खुजली से भी जूझना पड़ सकता है। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो आपको एलर्जी का ज्यादा खतरा हो सकता है।

त्वचा का रंग बदलना

परफ्यूम में मौजूद रसायन एक बड़ी समस्या का कारण भी बन सकते हैं। आप जिस हिस्से पर परफ्यूम छिड़केंगे, उसका रंग भी बदल सकता है। परफ्यूम सूरज की रोशनी के साथ मिलकर त्वचा को ज्यादा संवेदनशील बना सकता है। इसके चलते त्वचा का रंग गहरा हो सकता है या काले धब्बे हो सकते हैं। इतना ही नहीं, इसकी वजह से कुछ लोगों को सनबर्न की परेशानी भी होने का डर रहता है।

हार्मोनल असंतुलन

कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि परफ्यूम हमारे हार्मोन के लिए अच्छे नहीं होते। इसकी वजह से लोगों को हार्मोनल असंतुलन का सामना करना पड़ सकता है। कई परफ्यूम में थैलेट्स, पैराबेंस और सिंथेटिक मस्क जैसे एंडोक्राइन डिसरप्टिंग केमिकल्स होते हैं। ये हार्मोन की नकल करते हैं या उन्हें बाधित कर देते हैं। ऐसे में प्रजनन, चयापचय और विकास से जुड़ी समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। इन रसायनों की वजह से महिलाओं के पीरियड्स देर से आ सकते हैं।

सिरदर्द

हम में से कई लोगों को परफ्यूम की वजह से सिरदर्द होने लगता है। अगर इसे सीधे त्वचा पर लगा लिया जाए तो और भी मुश्किल होती है। यह परफ्यूम में मौजूद रसायन की वजह से होता है, जो सूजन पैदा करते हैं या तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करते हैं। इसके कारण सिर में असहनीय दर्द होने लगता है, चक्कर आने लगता है या लोग बेहोश भी हो जाते हैं। साथ ही इससे मूड भी खराब हो जाता है।

श्वसन संबंधी समस्याएं

सीधे त्वचा पर परफ्यूम छिड़कना श्वसन संबंधी समस्यों की वजह बन सकता है। खासकर अस्थमा या एलर्जी से जूझ रहे लोगों को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ सकती है। इससे खांसी आने लगती है या नाक बंद हो जाती है। अस्थमा के मरीजों को परफ्यूम के संपर्क में आने से अस्थमा का दौरा भी पड़ सकता है। कुछ लोगों को खुशबू वाले घटकों से सच में एलर्जी होती है और परफ्यूम के कारण उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।

फोकस

रायगढ़ के नए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने संभाला पदभार

रायगढ़। जिले में नवपदस्थ उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने सोमवार को विधिवत रूप से पदभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने जिले के पुलिस अधिकारियों और जवानों से मुलाकात कर परिचय प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ शासन के गृह (पुलिस) विभाग मंत्रालय ने 22 जनवरी को भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों की नवीन स्थानांतरण सूची जारी की थी। इसी आदेश के अनुपालन में डीआईजी और एसएसपी शशि मोहन सिंह ने रायगढ़ जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में कायर्भार संभाला। एसएसपी शशि मोहन सिंह वर्ष 2012 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं।

सिरपुर महोत्सव का आयोजन 1 से

महासमुंद। ऐतिहासिक और पुरातत्व नगरी सिरपुर में सिरपुर महोत्सव 2026 का भव्य और गरिमापूर्ण आयोजन 1 से 3 फरवरी तक जिला प्रशासन और सिरपुर विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में किया जा रहा है। तीन दिवसीय यह महोत्सव छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति, शास्त्रीय कला और आधुनिक संगीत का भव्य संगम होगा। महोत्सव के पहले दिन 1 फरवरी को दोपहर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। लोक नृत्य, कथक, ओडिसी, पंथी, मंचीय प्रस्तुतियों के साथ संध्या सत्र में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित होंगे। रात्रि में प्रसिद्ध बॉलीवुड गायक मेरा भोला है भंडारी फेम बाबा हंसराज रघुवंशी अपनी टीम के साथ भक्ति एवं लोक संगीत की प्रस्तुति देंगे।

16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस जिला कार्यालय परिसर खैरागढ़ में हर्षोल्लास के साथ मनाया

"मेरा भारत मेरा वोट, "मै भारत हूं" थीम पर आधारित रहा, राष्ट्रीय मतदाता दिवस

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

"मेरा भारत मेरा वोट,"मै भारत हूं" थीम पर आधारित रहा, राष्ट्रीय मतदाता दिवस। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल के मार्गदर्शन में जिला कार्यालय परिसर में 16 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। आयोजन आयोग द्वारा निर्धारित थीम 'मेरा भारत, मेरा वोट, मै भारत हूं' पर आधारित रहा।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (केसीजी) मोहिनी कंवर रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा, डीएफओ पंकज सिंह राजपूत तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल अधिकारी स्वीप प्रेम कुमार पटेल उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि मोहिनी कंवर ने अधिकारियों, कमर्चारियों एवं उपस्थित नागरिकों को मतदाता शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र में मतदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रत्येक नागरिक से अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से उपयोग करने का आह्वान किया। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल एवं अन्य अतिथियों ने भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने में मतदाताओं की भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के अंतगौत इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, विभिन्न महाविद्यालयों एवं डाइट खैरागढ़ के छात्र-छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता विषय पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में– प्रथम स्थान कु. रीना वर्मा (शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, खैरागढ़), द्वितीय स्थान झ्र यामेंद्र वर्मा (शासकीय नवीन महाविद्यालय, जालबांधा), तृतीय स्थान– लिलेश्वरी रजक (डाइट, खैरागढ़) रही।

मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा रंगोली का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर नव पंजीकृत मतदाता सिया नरवाल एवं सूयर्कांत वर्मा को बैज लगाकर सम्मानित किया गया तथा उन्हें ईपिक कार्ड वितरित किए गए।

बस ठंअ अध्यकक्षइसके अतिरिक्त रानी रश्मि देवी सिंह शासकीय महाविद्यालय, खैरागढ़ के छात्र-छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता जागरूकता का प्रभावी संदेश दिया गया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य के लिए बूथ लेवल अधिकारी श्रीमती कमरून निशा, संजय वर्मा एवं श्रीमती शांति यादव को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सुरेन्द्र कुमार ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सुमन राज, अनुविभागीय अधिकारी (खैरागढ़) टंकेश्वर प्रसाद साहू, डिप्टी कलेक्टर सुश्री रेणुका रात्रे, सुश्री पूजा पींचा सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कमर्चारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राजा फतेह सिंह खेल मैदान में विधायक मूणत ने फहराया तिरंगा

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय खैरागढ़ स्थित राजा फतेह सिंह खेल मैदान में मुख्य समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि रायपुर नगर पश्चिम के विधायक राजेश मुणत ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे को सलामी दी तत्पश्चात विधायक राजेश मुणत, कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा ने परेड का निरीक्षण किया। सशस्त्र जवानों द्वारा हर्ष फायर कर राष्ट्रपति का जयघोष किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक राजेश मुणत ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रदेशवासियों के नाम संदेश का वाचन किया। इस अवसर पर शांति एवं उल्लास के प्रतीक तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े गए। परेड विसर्जन के पश्चात उन्होंने विभिन्न टुकड़ियों के नेतृत्वकर्ताओं से परिचय प्राप्त कर स्मृति चित्र भी खिंचवाया। समारोह के दौरान मीसाबंदी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा नक्सली हिंसा में शहीद जवानों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा पीटी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गईं, जो आकर्षण का केंद्र रहीं। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा शासन की योजनाओं पर आधारित जीवंत झांकियों का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकमिर्यों एवं विभागीय कमर्चारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। झांकी प्रतियोगिता में शिक्षा विभाग प्रथम, यातायात विभाग द्वितीय एवं स्वास्थ्य विभाग तृतीय स्थान पर रहा। मार्च-पास्ट में आईटीबीपी प्रथम, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल द्वितीय तथा जिला पुलिस बल तृतीय स्थान पर रहा। समारोह में जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, वरिष्ठजन, प्रशासनिक अधिकारी, कमर्चारी, मीडिया प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। राष्ट्रभक्ति और एकता के संदेश के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

युवाओं ने जिपं. उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह के समक्ष थामा भाजपा का दामन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत मुतेड़ा के आश्रित ग्राम नवागांवकला में लोक परंपरा के अनुरूप प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली मंडई का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर गांव में भाजपा प्रवेश कार्यक्रम एवं बुजुर्गों का सम्मान समारोह भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता मंडल भाजपा अध्यक्ष एवं जिला पंचायत सभापति दिनेश वर्मा ने की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय जनपद पंचायत सभापति डॉ. कोमल वर्मा एवं पांडादाह मंडल भाजपा अध्यक्ष गोरेलाल वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पहुंचते ही यादव समाज के ग्रामीणों द्वारा गाजे-बाजे के साथ अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। सभा को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि मंडई जैसे पारंपरिक आयोजन हमारी संस्कृति और एकता का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि एक परिवार की तरह कार्य करने वाली पार्टी है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता को समान सम्मान मिलता है। उन्होंने बताया कि इसी विचारधारा से प्रेरित होकर ग्राम नवागांवकला के 24 युवाओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है, जो सराहनीय कदम है।

विक्रांत सिंह ने विकास कार्यों को लेकर कहा कि गांव में लंबे समय से मेन रोड से बस्ती तक पक्की सड़क की मांग की जा रही है। इस मांग को जल्द पूरा कराने के लिए संबंधित विभाग से चर्चा कर डामरीकरण हेतु प्रस्ताव भेजा जाएगा। साथ ही जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रस्तावित पानी टंकी के निर्माण को भी शीघ्र पूर्ण कराने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान गांव के बुजुर्गों एवं प्रभातफेरी में शामिल ग्रामीणों का गमछा पहनाकर सम्मान किया गया। वहीं भाजपा में नवप्रवेश करने वाले युवाओं को भी गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया, जिससे गांव में उत्साह का माहौल बना रहा। इस अवसर पर सण्डी सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार वर्मा, पांडुका सरपंच रंजीत रजक, बद्री मैथिलक्षत्रिय, गणेषु वर्मा, गीतांजलि देवांगन, परदेश यादव, विकास निर्मलकर, धनेश वर्मा, चंद्रेश वर्मा, संतोष वर्मा, शिवकुमार निर्मलकर, खिलेश निर्मलकर, पूरण सिंह जंघेल, संतराम वर्मा, मकरम वर्मा, तीरथ वर्मा, कमलेश रजक, सुरेश ठाकुर, चुनिराम वर्मा, साहूकार वर्मा, गौतम वर्मा, भागी यादव, भगवानी यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय व विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में न्यायाधीश ने किया ध्वजारोहण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जिला न्यायालय परिसर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में गरिमामय वातावरण में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान 'जन गण मन' एवं उसके पश्चात 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन किया गया, जिससे संपूर्ण परिसर देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा अपने उद्बोधन में भारतीय संविधान के मूल्यों–न्याय, स्वतंत्रता, समानता, राष्ट्रप्रेम, विरासत, सद्भाव, संस्कृति एवं बंधुत्व– पर प्रकाश डालते हुए न्यायिक व्यवस्था की भूमिका एवं नागरिकों के प्रति न्यायपालिका के दायित्वों का उल्लेख किया गया। उन्होंने संविधान निर्माताओं के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए सभी को संविधान की मर्यादा एवं कानून के शासन को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग द्वारा स्पोर्ट्स मीट में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले न्यायिक अधिकारियों एवं न्यायालयीन कमर्चारियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद गतिविधियाँ न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती हैं, बल्कि मानसिक संतुलन, टीम-स्पिरिट एवं अनुशासन को भी बढ़ावा देती हैं, जो न्यायिक कार्य के सुचारु संचालन हेतु अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित किए जाने पर बल दिया।

उल्लेखनीय है कि उक्त स्पोर्ट्स मीट का आयोजन न्यायिक अधिकारियों एवं कमर्चारियों में स्वस्थ जीवनशैली, आपसी सौहार्द एवं कार्यक्षमता में वृद्धि के उद्देश्य से किया गया था, जिसमें विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया तथा प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह का समापन राष्ट्र के प्रति समर्पण, खेल भावना एवं स्वस्थ न्यायिक वातावरण के संकल्प के साथ किया गया।

कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशगण, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेटगण, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारीगण, न्यायालयीन कमर्चारीगण, पैरा लीगल वॉलंटियर्स (ढछश२) तथा बड़ी संख्या में अधिकारीगण एवं कमर्चारीगण उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा इस अवसर पर निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने के संकल्प को दोहराया गया।

कार्यक्रम का समापन संविधान के प्रति निष्ठा एवं देश की एकता-अखंडता बनाए रखने के संकल्प के साथ किया गया। इसके पश्चात न्यायाधीशगण एवं अधिवक्ताओं के मध्य क्रिकेट सद्भावना मैच का आयोजन किया गया। इस मैच का उद्देश्य न्यायपालिका एवं अधिवक्ता समुदाय के मध्य आपसी सौहार्द, सहयोग एवं स्वस्थ कार्य वातावरण को प्रोत्साहित करना था।

दोनों टीमों ने उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया। मैच के दौरान खिलाड़ियों द्वारा प्रदर्शित कौशल एवं टीम वर्क ने उपस्थित दशर्कों का भरपूर मनोरंजन किया। अत्यंत रोमांचक मुकाबले के पश्चात न्यायाधीशगण की टीम ने विजय प्राप्त की, जिस पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं द्वारा खेल भावना के साथ तालियों के माध्यम से बधाई दी गई। मैच के परिणाम के साथ-साथ आयोजन का मुख्य आकर्षण दोनों पक्षों के मध्य सौहादर्पूर्ण वातावरण एवं पारस्परिक सम्मान रहा।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

कुलपति प्रो.(डॉ.) लवली शर्मा ने फहराया तिरंगा, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ में 77वाँ गणतंत्र दिवस गरिमामय एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो.(डॉ.) लवली शर्मा द्वारा राजा वीरेंद्र बहादुर, रानी पद्मावती देवी एवं राजकुमारी इंदिरा की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सामूहिक राष्ट्रगान का सस्वर गायन हुआ।

ध्वजारोहण के बाद कुलपति ने आकाश में गुब्बारे छोड़कर राष्ट्रीय उल्लास का संदेश दिया। विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, शिक्षक संघ, कमर्चारी संघ एवं छात्र प्रतिनिधियों द्वारा उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद अधिष्ठाता प्रो. डॉ. नमन दत्त के निर्देशन में विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत एवं राष्ट्रभक्ति गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इस अवसर पर 'ललित कला निबंधावली' शोध ग्रंथ का विमोचन किया गया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर नृत्य संकाय के विद्यार्थियों को विशेष मंच प्रदान किया गया। विद्यार्थियों ने भरतनाट्यम, ओडिसी एवं कथक की आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें दशर्कों ने खूब सराहा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी विद्यार्थियों को ऐसे अवसर देने की घोषणा की। अपने संबोधन में कुलपति प्रो.(डॉ.) लवली शर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान जीवन को लय और ताल प्रदान करता है। उन्होंने युवाओं से चरित्र निर्माण, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया तथा भारतीय संगीत की एकता शक्ति को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. राजन यादव ने किया। समारोह में विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कमर्चारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। राष्ट्रनिर्माण के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

दुर्ग शहर में पूर्व विधायक अरुण वोरा ने विभिन्न स्थानों पर शान से फहराया तिरंगा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर दुर्ग शहर में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का भव्य दृश्य देखने को मिला। दुर्ग के पूर्व विधायक एवं प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने परंपरागत रूप से शहर के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर ध्वजारोहण कर गणतंत्र दिवस को गरिमामय ढंग से मनाया।

सुबह 7 बजे गांधी चौक में कांग्रेसजनों के साथ ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके पश्चात सुबह 7:30 बजे राजीव भवन, दुर्ग में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में तिरंगा फहराया गया। इसके बाद गांधी प्रतिमा स्थल, दुर्ग, बरईपारा स्थित काली मंदिर, साईं द्वार, दुर्ग रोडवेज, शक्ति नगर, बम्लेश्वरी कॉलोनी, तथा महालक्ष्मी मार्केट, पुलगांव में क्रमवार रूप से वोरा द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस विशेष अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अरुण वोरा ने कहा– आज का दिन हमें याद दिलाता है कि भारत का गणतंत्र बल, भेदभाव या सत्ता से नहीं, बल्कि संविधान, समानता और भाईचारे के मूल्यों से चलता है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जो संविधान हमें सौंपा है, उसकी रक्षा करना और उसकी आत्मा को जीवित रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। जब तक लोकतंत्र में आखिरी व्यक्ति को न्याय, सम्मान और अवसर नहीं मिलेगा, तब तक गणतंत्र अधूरा रहेगा।संविधान ने हमें अधिकार दिए, अब हमारा कर्तव्य है देश को सही दिशा देना।"

कांग्रेस के कार्यक्रमों में संगठन के अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से दुर्ग ग्रामीण जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर, पूर्व महापौर शंकरलाल ताम्रकार, पूर्व महापौर आर. एन. वर्मा, कमल रुंगटा, देवेंद्र देशमुख, ब्लॉक अध्यक्ष अल्ताफ अहमद, राजकुमार पाली, अजय मिश्रा, फतेह भाटिया, भोला महोबिया, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, नंदू महोबिया, राजकुमार वर्मा, अनीश रजा, सुनीत घोष, पिंकी झा, पूर्व सभापति राजकुमार नारायणी, परमजीत सिंह भुई, निमर्ला साहू, पप्पू श्रीवास्तव, संजू धनकर, नासिर हुसैन, हामिद खोकर, कौशल किशोर सिंह, एनी पीटर, देव सिन्हा एवं शिवकांत तिवारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे। पूरे दिन चले इन कार्यक्रमों के दौरान देशभक्ति के नारों और राष्ट्रगान से वातावरण गूंज उठा, वहीं नागरिकों में संविधान और लोकतंत्र के प्रति सम्मान और गर्व की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन भिलाई ने मनाया गणतंत्र दिवस

डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन भिलाई द्वारा गणतंत्र दिवस का समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीबीएस विभाग के महाप्रबंधक प्रभारी शेख जाकिर रहे। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक शैलेन्द्र शुक्ला, पूर्व डेफि अध्यक्ष नरेंद्र राव एवं पूर्व डेब महासचिव डी.पी.एस. बरार की विशेष उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि शेख जाकिर ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए डिजिटल क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर अपने विचार रखते हुए डिप्लोमा इंजीनियर्स को संयंत्र की रीढ़ बताया तथा आगामी 10 .5 मिलियन टन विस्तार परियोजना में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में महासचिव मोहम्मद रफी ने गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए राष्ट्र निर्माण में डिप्लोमा इंजीनियर्स की भूमिका तथा संयंत्र हित में सुपरवाइजरी कैडर के योगदान पर प्रकाश डाला। कायर्कारी अध्यक्ष घनश्याम साहू ने गणतंत्र दिवस की महत्ता एवं देश के जवानों के बलिदान को नमन करते हुए उनके त्याग को स्मरण किया।

कार्यक्रम का मंच संचालन संगठन सचिव अजय तमुरिया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन पवन साहू द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि कार्यक्रम का प्रबंधन उपाध्यक्ष उषाकर चौधरी एवं कोषाध्यक्ष रमेश कुमार ने संभाला। इस अवसर पर उपाध्यक्ष प्रमोद पूरी, नील पटेल, रवि आसरे, किरण वैद्य, खुशबु कुमार, धर्मेंद्र दलाल, दिलीप, श्रवण पांडे, लुमेश राहंगडाले, पंकज राठौर, कृष्णमूर्ति, अभिषेक सिंह, प्रमोद वर्मा सहित अनेक डिप्लोमा इंजीनियर्स उपस्थित रहे।

दुनिया में विश्वसनीयता के प्रतीक थे मार्कटली, मौजूदा दौर में विश्वनीयता पर है सकट

बीबीसी की पहचान और प्रसारण की दुनिया के स्थापित नाम मार्क टली जिंदादिली के साथ भरी पूरी उम्र जी कर दुनिया से कूच कर गए

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई (पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन के फेसबुक वाल से)

विश्वसनीयता के पर्याय थे मार्क टली,दुनिया से हुए अलविदा (वरिष्ठ पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन के फेसबुक वाल से) बीबीसी की पहचान और प्रसारण की दुनिया के स्थापित नाम मार्क टली जिंदादिली के साथ भरी पूरी उम्र जी कर आज दुनिया से कूच कर गए।मौजूदा दौर में जब मीडिया की विश्वसनीयता कुछ ज्यादा ही दाव पर लगी है, ऐसे में मार्क सर जैसा विश्वसनीय नाम हमेशा याद रहेगा।

बीबीसी लंदन का वो दौर जब देश में आकाशवाणी और दूरदर्शन ही खबरों का सहारा थे ऐसे में हर रोज कोई न कोई ऐसा मौका आता था, जब लोग बीबीसी लंदन की तरफ रेडियो की सुई घुमा देते थे।फिर उसमें अगर मार्क टली बोल रहे हैं तो यकीन नहीं करने की कोई वजह नहीं होती थी।

मुझे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या वाले दिन की दोपहर की हल्की सी याद है, जब चर्चा चल रही थी कि बीबीसी लगाओ, उसमें ही सही बताएगा।संभवतः तब मार्क टली की आवाज में बीबीसी से ही इंदिरा गांधी के निधन की पुष्टि हुई थी और 89 में सैयद मोदी हत्याकांड के बाद की परिस्थिति में एक रोज खबर चली कि संजय सिंह (सांसद) की मौत हो गई है।

ऐसे में विश्वसनीयता के लिए तब मेरे आसपास लोग बात कर रहे थे कि बीबीसी से मार्क टली ने डिक्लियर कर दिया है।

मार्क सर के संग कुछ यादगार तस्वीरें

हालांकि ऐसा कुछ नहीं था। लोग सिर्फ मार्क टली और बीबीसी का नाम अपने दावे की विश्वसनीयता साबित करने ले रहे थे। इसके बाद 6 दिसंबर 1992 भी आया, जब सरकारी चैनल दूरदर्शन पर मीना कुमारी-धर्मेंद्र की फिल्म 'पूणिमा' का प्रसारण हो रहा था और दूसरी तरफ मार्क टली अयोध्या का आंखों देखा हाल सैटेलाइट टेलीविजन पर बता रहे थे।

हालांकि इस सीधे प्रसारण के लिए मार्क ने कई जोखिम भी उठाए थे। मार्क के मेरे जैसे हजारों-लाखों प्रशंसक हैं, सभी की अपनी-अपनी यादें हैं। साल 2016 में उनसे नई दिल्ली में अचानक मुलाकात हो गई थी। तब जो लिखा था, वह आज उन्हें खिराजे अकीदत के साथ...

पिछले हफ्ते दिल्ली जाने से पहले ऐसे ही कहीं इलेक्ट्रानिक मीडिया में एंकरों के "चीखने-चिल्लाने" पर बहस हो रही थी। बात निकली तो एक जानकार ने कहा- जरा 31 अक्टूबर 1984 का बीबीसी का वीडियो यूट्यूब से डाउनलोड करके देखना। देश की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की खबर बीबीसी के संवाददाता मार्क टुली कितनी संजीदगी से दे रहे हैं। आज तो ब्रेकिंग के दौर में हर खबर पर "चीखना-चिल्लाना" आम बात है।

उस रात मैंने यूट्यूब पर वह वीडियो देखा था। यह महज इत्तेफाक रहा कि नई दिल्ली में उस रात इंडिया हैबीटाट सेंटर में इंटरनेशनल जस्टिस मिशन (आईजेएम) का सेमीनार खत्म होने के बाद देश के अलग-अलग हिस्सों से आए हम जर्नलिस्ट होटल जाने कार का इंतजार करते खड़े थे कि अचानक दूसरी दिशा से मार्क टली अपनी पत्नी के साथ आते दिखाई दिए।

वहां हम जितने जर्नलिस्ट साथी थे, सभी के लिए मार्क टली एक "मुंह मांगी मुराद" की तरह अचानक नमूदार हो गए थे। हम लोगों ने उन्हें घेर लिया। कई साथियों ने (मैनें भी) उन्हें बताया कि हम बचपन में आपकी आवाज रेडियो पर सुना करते थे। बेहद विनम्र मार्क टली सबसे बड़ी खुशमिजाजी से मिले, तस्वीरें खिंचाई और सबके स्टेट के बारे में हिंदी-अंग्रेजी में जानकारी ली।

फोटो खिंचाने का दौर कुछ लम्बा खिंचने लगा तो हंसते हुए मार्क बोले-आप लोगों ने तो मुझे फिल्म स्टार बना दिया। मारे खुशी के बहुत सी तस्वीरें धुंधली आई लेकिन इसका किसी को गिला नहीं। इस बीच उनकी पत्नी कुछ दूर आगे बढ़ने लगी थी,लिहाजा "गृहमंत्रालय" का इशारा पा कर मार्क ने भी वहां से आगे बढ़ने में अपनी खैरियत समझी। वाकई, आप हमारी बिरादरी के लिए फिल्म स्टार से कहीं ज्यादा हैं डियर मार्क सर।

इसीलिए अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राजधानी में लागू की पुलिस कमिश्नरी !

राजधानी रायपुर के लिए 'चाकूपुर', 'गुंडापुर' जैसे अपमानजनक शब्दों के संबोधन से आहत थे सीएम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राजधानी रायपुर अब सिर्फ छत्तीसगढ़ का प्रशासनिक केंद्र नहीं, बल्कि सख्त कानून-व्यवस्था और तेज कारवाई के नए मॉडल की ओर बढ़ चुका है। बढ़ते अपराध और बढ़ती शहरी चुनौतियों के बीच जिस मजबूत निर्णय की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी, वह अब जमीन पर उतर चुका है। विष्णुदेव साय सरकार ने रायपुर में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू कर यह साफ संदेश दे दिया है कि राजधानी की पहचान अब किसी "अपराध-गढ़ह्न चाकूपुर जैसी छवि से नहीं, बल्कि अनुशासन, सुरक्षा और कानून के भरोसे से बनेगी।गृह (पुलिस) विभाग की अधिसूचना के अनुसार यह व्यवस्था 23 जनवरी 2026 से प्रभावी हो गई है। यह कदम सिर्फ प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, संवेदनशीलता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण माना जा सकता है।

सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि राजधानी में पुलिसिंग अधिक प्रभावी हो, निर्णय तेजी से हों और कारवाई मौके पर ही हो सके। फिलहाल यह पुलिस कमिश्नरी प्रणाली रायपुर नगर निगम सीमा के भीतर ही लागू होगी। नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 21 थाने अब सीधे पुलिस कमिश्नर के अधीन कार्य करेंगे। वहीं रायपुर जिले के ग्रामीण इलाकों में एसपी व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी।यानी शहर और ग्रामीण क्षेत्र की पुलिस व्यवस्था को अलग-अलग प्रशासनिक ढांचे में संचालित किया जाएगा, जिससे दोनों क्षेत्रों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था बेहतर तरीके से काम कर सके। राजधानी की शहरी जरूरतों को देखते हुए यह विभाजन व्यावहारिक और प्रभावी माना जा रहा है।

दरअसल राजधानी रायपुर में बीते समय में नशे के बढ़ते नेटवर्क, हत्या, चाकूबाजी, मारपीट, चोरी-लूट जैसी घटनाओं ने कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ाई थी। आम नागरिकों में यह भावना बनने लगी थी कि अपराधियों के हौसले बढ़ रहे हैं और कई मामलों में निगरानी की गति धीमी पड़ रही है। राजधानी को 'चाकूपुर', 'गुंडापुर' जैसे अपमानजनक शब्दों से जोड़ना केवल रायपुर की नहीं, पूरे छत्तीसगढ़ की छवि पर चोट थी।कुछ लोगों द्वारा प्रदेश को नशे की वजह से 'उड़ता छत्तीसगढ़' कहकर पुकारना भी राज्य के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली बात थी। इन्हीं परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा ने राजधानी में कठोर कानून और प्रभावी निर्णय लागू करने की इच्छा को प्राथमिकता में रखा और कमिश्नरी प्रणाली को रायपुर में लागू करने का मार्ग प्रशस्त किया।

एक कदम

डॉ. संजीव शुक्ला को रायपुर का प्रथम पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही प्रशासनिक स्तर पर कई महत्वपूर्ण पदों और जिम्मेदारियों में बदलाव हुए हैं। रायपुर कमिश्नरी को तीन प्रमुख जोनों–सेंट्रल, नॉर्थ और वेस्ट में विभाजित किया गया है ताकि पुलिस की निगरानी, संचालन और रिस्पॉन्स टाइम तेज किया जा सके।

कमिश्नरी प्रणाली का सबसे बड़ा लाभ यही है कि कानून-व्यवस्था से जुड़े फैसले अधिक तेज और प्रभावी ढंग से लिए जा सकते हैं। इस व्यवस्था में पुलिस कमिश्नर को कई न्यायिक मजिस्ट्रेट जैसे अधिकार मिलते हैं। जिससे दंगे, जुलूस, विवाद, प्रतिबंधात्मक कारवाई और संवेदनशील क्षेत्रों में त्वरित निर्णय संभव होता है।कई मामलों में जिला प्रशासन पर निर्भरता कम होगी और कारवाई की गति बढ़ेगी। इससे अपराध पर नियंत्रण के साथ-साथ कानून का भय भी बढ़ता है, जो किसी भी शहर में सुरक्षा स्थापित करने का सबसे मजबूत आधार माना जाता है।

नई व्यवस्था से राजधानी में पुलिसिंग का स्वरूप अधिक आधुनिक और परिणामोन्मुख होने की उम्मीद है। इसका सीधा असर यह होगा कि अपराधियों पर दबाव बढ़ेगा शहर में कानून-व्यवस्था के मामलों में तुरंत कारवाई का संदेश जाएगा।राजधानी के लोगों के लिए यह निर्णय गणतंत्र दिवस से पहले एक बड़े उपहार की तरह देखा जा रहा है। क्योंकि किसी भी शहर में विकास, निवेश और सामाजिक शांति तभी संभव है जब नागरिक सुरक्षित महसूस करें। रायपुर में कमिश्नरी लागू होने के बाद उम्मीद है कि ट्रैफिक, अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में प्रशासनिक मजबूती और पुलिस की सक्रियता का असर जल्दी दिखाई देगा।

कुल मिलाकर, रायपुर में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू कर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने यह साबित कर दिया है कि उनकी सरकार निर्णय लेने में मजबूत और सुशासन के प्रति गंभीर है। यह कदम राजधानी को अधिक सुरक्षित, सख्त और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

सुरक्षा से कोई समझोता नहीं -सीएम साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राजधानी की वास्तविक जरूरत को समझकर लिया गया फैसला है। रायपुर एक आधुनिक और तेजी से बढ़ता शहरी केंद्र है, जहां अपराध के स्वरूप भी बदल रहे हैं और कानून-व्यवस्था के लिए फुर्तीली प्रणाली आवश्यक होती है।

मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजधानी की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा और रायपुर की पहचान अपराध के डर से नहीं, बल्कि कानून के भरोसे से बनेगी। यह उनकी संवेदनशीलता का भी प्रमाण है कि उन्होंने राजधानी के सम्मान और जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

गणतंत्र दिवस : पताड़ी पहुंचे गौतम अदानी, प्लांट के चौथे चरण के विस्तार के संकेत

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

औद्योगिक नगरी कोरबा के लिए 77वां गणतंत्र दिवस इस बार बड़ी औद्योगिक सौगात लेकर आया। अदानी समूह के चेयरमैन गौतम अदानी ने विशेष प्रवास पर कोरबा-चांपा मार्ग स्थित पताड़ी पावर प्लांट का दौरा किया। उनके इस दौरे से न केवल तीसरे चरण के विस्तार को गति मिली है, बल्कि चौथे चरण की संभावनाएं भी मजबूत हुई हैं। इससे जिले के औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अपने प्रवास के दौरान गौतम अदानी ने प्लांट परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने कंट्रोल रूम, कोल हैंडलिंग प्लांट सहित विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। प्लांट निरीक्षण के दौरान गौतम अदानी ने प्रोटोकॉल से हटकर आम कर्मचारियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कर्मचारियों से कामकाज, सुविधाओं और समस्याओं को लेकर चर्चा की। उनके इस सहज और सरल व्यवहार की पूरे परिसर में सराहना हो रही है।

बीते दो दिनों में यूपी के मिर्जापुर, मध्यप्रदेश के अनूपपुर और छत्तीसगढ़ के विभिन्न पावर प्लांटों के दौरे से यह स्पष्ट है कि अदानी समूह का फोकस फिलहाल ऊर्जा क्षेत्र और पावर बिजनेस के विस्तार पर केंद्रित है। इस दौरे को कोरबा जिले के औद्योगिक भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है, जिससे रोजगार, निवेश और विकास के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

चौथे चरण के विस्तार की भी तैयारी

प्रबंधन दूसरे चरण की 660 मेगावाट की इकाइयों को अप्रैल-मई तक चालू करने की दिशा में काम कर रहा है। वहीं, गौतम अदानी ने अधिकारियों को चौथे चरण के तहत 800 मेगावाट की दो और अतिरिक्त यूनिट स्थापित करने की संभावनाओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए हैं।

आला अधिकारियों की रही मौजूदगी

इस अवसर पर अदानी पावर लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी विनीत जैन, पूर्व आईएएस अमन सिंह एवं नरेश गोयल भी उपस्थित रहे। इससे पहले गौतम अदानी ने रायपुर जिले के रायखेड़ा स्थित अदानी पावर प्लांट का दौरा कर वहां गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लिया। इसके बाद वे हेलीकॉप्टर से पताड़ी पहुंचे, जहां सीएचपी के समीप बने हेलीपैड पर उनका हेलीकॉप्टर उतरा।

रामकृष्ण हॉस्पिटल में मधुसूदन यादव से मिलकर किरण देव व डॉ. रमन सिंह ने जाना कुशलक्षेम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर स्थित रामकृष्ण हॉस्पिटल में उपचाररत राजनांदगांव के पूर्व सांसद एवं महापौर मधुसूदन यादव से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। दोनों नेताओं ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

इस दौरान प्रदेश भाजपाध्यक्ष किरण देव एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मधुसूदन यादव से आत्मीय बातचीत कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने कहा कि मधुसूदन यादव जनसेवा के प्रति समर्पित, लोकप्रिय एवं जमीनी नेता हैं, जिनका समाज और राजनीति में विशेष योगदान रहा है।

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मधुसूदन यादव ने सदैव राजनांदगांव और प्रदेश की जनता के हित में कार्य किया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होकर पुनः सक्रिय रूप से जनसेवा में लौटने की सभी को प्रतीक्षा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव ने भी ईश्वर से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते हुए कहा कि पार्टी एवं क्षेत्र की जनता उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रही है।

इस अवसर पर अस्पताल स्टाफ, परिजन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी मधुसूदन यादव के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सभी ने उनके जल्द स्वस्थ होकर पुनः जनसेवा में सक्रिय होने की अपेक्षा व्यक्त की।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस : निगम कर्मियों ने लिया लोकतंत्र सशक्त करने का संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने एवं मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार संपन्न हुआ, जिसमें निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम में कार्यपालन अभिवंता सुनील दुबे ने उपस्थित नियमित एवं प्लेसमेंट कर्मचारियों को लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प दिलाया।सभी कर्मचारियों ने निर्भीक, निष्पक्ष एवं बिना किसी दबाव, भय अथवा प्रलोभन के मतदान करने तथा अपने परिवारजनों एवं आसपास के नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने की शपथ ली।इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मजबूत लोकतंत्र की नींव जागरूक मतदाता पर टिकी होती है। प्रत्येक नागरिक का मत देश की नीति, दिशा और विकास को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य भी है। कार्यक्रम के दौरान मतदाता जागरूकता से संबंधित संदेशों के माध्यम से कर्मचारियों को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की महत्ता से अवगत कराया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव व्यवस्था ही देश की सशक्त लोकतांत्रिक पहचान है।

इस अवसर पर इंजीनियर अखिलेश गुप्ता, जयंत शर्मा, रेवती रमन, धर्मेंद्र मिश्रा, गोपाल सिन्हा, रवि श्रीवास्तव, योगेश सुरे, महेश टंडन, अखिलेश वर्मा, विवेक रंगनाथ सहित निगम के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन चंद्रपाल हरमुख द्वारा किया गया।

तीसरे चरण में 800 मेगावाट की दो नई यूनिट

अधिकारियों के साथ हुई बैठक में तीसरे चरण के विस्तार को लेकर अहम निर्णय लिए गए। इस चरण में अत्याधुनिक ह्यअल्ट्रा सुपर क्रिटिकल टेक्नोलॉजीह्न पर आधारित 800 मेगावाट की दो नई यूनिट स्थापित की जाएंगी। इस परियोजना पर करीब 15 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इसके लिए पर्यावरणीय जनसुनवाई आगामी 27 फरवरी को सरगबूंदिया हायर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम बसंत पंचमी के अवसर पर देवांगन समाज की इष्ट देवी माँ परमेश्वरी की जयंती का हुआ आयोजन

माँ परमेश्वरी जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक चंद्राकर, समाज की भूमिका को बताया विकास की रीढ़

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर देवांगन समाज की इष्ट देवी माँ परमेश्वरी की जयंती के उपलक्ष्य में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंदखुरी में मंडल स्तरीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर उपस्थित हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ परमेश्वरी की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। श्री चंद्राकर ने माँ परमेश्वरी का आशीर्वाद लेकर समाजजनों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर समाज द्वारा भव्य कलश यात्रा निकाली गई तथा विशेष पूजा, सेवाभजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुति दी गई। समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया गया। इस दौरान श्री चंद्राकर ने लगभग 12 लाख रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त सामाजिक भवन कक्ष का विधिवत पूजन कर फीता काटकर समाज को समर्पित किया।

देवांगन समाज विकास की मजबूत कड़ी-ललित चंद्राकर

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि देवांगन समाज मेहनती, कर्मठ और आत्मनिर्भर समाज के रूप में जाना जाता है, जिसकी राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में बुनकरों की कर्जमाफी एवं उत्थान हेतु कई योजनाएँ चलाई गईं और वर्तमान में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार समाजों के विकास हेतु निरंतर कार्य कर रही है।

श्री चंद्राकर ने बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व नई ऊर्जा, सृजनशीलता और उत्साह का प्रतीक है। यह विद्या, बुद्धि, कला और संगीत की देवी माँ सरस्वती को समर्पित पर्व है, जो जीवन में सकारात्मकता का संचार करता है।

उन्होंने कहा कि समाज की बहुप्रतीक्षित मांग पर आज सामाजिक भवन का निर्माण पूर्ण हुआ, जिससे सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र के अनुरूप राज्य सरकार पिछले 22 महीनों से सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कृषक उन्नति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना एवं शिक्षक युक्तियुक्तकरण जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक बालमुकुंद देवांगन, दुर्ग जिला देवांगन समाज अध्यक्ष पुराणिक देवांगन, जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जिला पंचायत सदस्य प्रिया साहू, श्रद्धा साहू, आशा मिश्रा, सरपंच कविता ठाकुर, उपसरपंच योगिता यादव, समाज अध्यक्ष दिलीप देवांगन सहित पुनाराम देवांगन, खेमलाल चंद्राकर, जगन्नाथ देवांगन, बीरेंद्र देवांगन,जीवन देवांगन, मनोज देवांगन सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।